▪ श्रावण शुक्ल - 14 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 27 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 19-08-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 हर दुष्कर्मी और अपराधी को निर्दोष साबित करना समाजवादी पार्टी का लक्ष्य : योगी

6 प्रधानमंत्री ने रखी भावी भारत की गौरवशाली तस्वीर

7 ट्रंप का हैरिस पर निजी हमला जारी, उनसे बेहतर दिखने का दावा किया

फर्स्ट टेक

नेपाल के जंगल से लापता तीन भारतीयों को 10 घंटे बाद बचाया गया

काठमांडू/भाषा। नेपाल के नगरकोट जंगल से तीन भारतीय पर्यटकों और उनके नेपाली गाइड को लापता होने के लगभग 10 घंटे बाद रविवार को सुरक्षित बचा लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पर्यटक नितिन तिवारी, रश्मि तिवारी और तनिष तिवारी तथा उनके नेपाली गाइड हरि प्रसाद खरेल काठमांडू से 30 किलोमीटर पूर्व में भक्तपुर जिले के नगरकोट जंगल में मुहान पोखरी रानी झूला क्षेत्र से लापता हो गए थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, भारतीय नागरिकों की उम्र 30 से 40 वर्ष के बीच है। वार्ड नंबर सात चंगुनारायण के अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रेष्ठ ने बताया कि लापता लोग शनिवार दोपहर करीब तीन बजे रास्ता भूल गए थे। उन्होंने बताया कि बचाव दल आधी रात को उन लोगों तक पहुंचा।

भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक का दिल का दौरा पड़ने से निधन

नई दिल्ली/चेन्नई/भाषा। भारतीय तटरक्षक बल के महानिदेशक (डीजी) राकेश पाल का रविवार को दिल का दौरा पड़ने से चेन्नई के एक सरकारी अस्पताल में निधन हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पाल ने पिछले वर्ष 19 जुलाई को भारतीय तटरक्षक बल के 25वें महानिदेशक का कार्यभार संभाला था। अधिकारियों ने बताया कि पाल, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भारतीय तटरक्षक बल के एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए जाने वाले थे, लेकिन उन्होंने बेचैनी की शिकायत की, जिसके बाद उन्हें दिन में सरकारी राजीव गांधी सामान्य अस्पताल (आरजीजीएच) में भर्ती कराया गया। पाल के निधन की खबर सुनते ही राजनाथ सिंह पाल को श्रद्धांजलि देने के लिए अस्पताल पहुंचे।

चीन में सेवामुक्त विमानवाहक पोत में आग लगी

बीजिंग/भाषा। चीन के जियांग्सू प्रांत में यांग्त्जे नदी के निकट एक सेवामुक्त विमानवाहक पोत के निपटान के दौरान आग लग गई। यह घटना शुक्रवार अपराह्न नेनटोंग शहर में नदी के निकट एक औद्योगिक क्षेत्र में हुई। इसमें किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है तथा शनिवार को आग काफी हद तक बुझ गई। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। 'मिंस्क' नामक इस विमानवाहक पोत को 2016 में नेनटोंग लाया गया था। इससे पहले यह कई वर्षों तक दक्षिण चीन के गुआंगडोंग प्रांत के शेनझेन शहर में खड़ा रहा।

19-08-2024 सूर्यास्त	20-08-2024 सूर्योदय
6:38 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
80,436.84	24,541.15
(+1,330.96)	(+397.40)

सोना	चांदी
7,374 रु.	85,767 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

असुरक्षित बहनें

सहमी हुई सड़क पर चलती,
चारों तरफ फिर रहे तक्षक।
दिखे अकेली गर जो बहना,
बन जाते हर कोई भक्षक।
रक्षासूत्रों के दम पर जो,
बने हुए हमदर्द समीक्षक।
सोच रही हैं आज सभी वे,
क्या भाई सचमुच हैं रक्षक।।

चिकित्सक बलात्कार-हत्या

उच्चतम न्यायालय कल करेगा मामले की सुनवाई

■ **उच्चतम न्यायालय ने कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु चिकित्सक से कथित बलात्कार और हत्या के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है।**

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/कोलकाता/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु चिकित्सक से कथित बलात्कार और हत्या के मामले में स्वत: संज्ञान लिया है। अदालत इस मामले पर मंगलवार को सुनवाई करेगी।

शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की गई 20 अगस्त की वाद सूची के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ मंगलवार को इस मामले पर सुनवाई करेगी।

वहीं, चिर प्रतिद्वंद्वी फुटबॉल क्लब ईस्ट बंगाल और मोहन बागान के समर्थक रविवार शाम कोलकाता के साल्ट लेक स्टेडियम के पास एकत्र हुए और महिला चिकित्सक के साथ बलात्कार व उसकी हत्या की घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। बारिश की परवाह नहीं करते हुए, सौ से अधिक समर्थक शुरुआत में स्टेडियम के बाहर एकत्र हुए, जबकि देश के दो प्रमुख फुटबॉल क्लब के बीच डूरंड कप मैच कानून व्यवस्था की स्थिति से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए रद्द कर दिया गया था।

दोनों क्लब के समर्थक एक-दूसरे के झंडे थामे हुए थे। उन्होंने पीड़ित परिवार के लिए न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए। काफी संख्या में पुलिसकर्मी स्थिति पर नजर रखे हुए थे।

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने हाल ही में मामले की जांच कोलकाता पुलिस से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित कर दिया था।

इससे पहले दिन में, सीबीआई ने मामले की जांच के संबंध में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष से पूछताछ की। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को लगातार तीसरे दिन सीबीआई अधिकारियों के समक्ष पेश हुए घोष को अस्पताल में घटना से पहले और उसके बाद किए फोन कॉल की जानकारियां देने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि अधिकारी घोष की 'कॉल डिटेल' और डेटा उपयोग की जानकारियां प्राप्त करने के लिए मोबाइल फोन सेवा प्रदाता से संपर्क करने पर विचार कर रहे हैं।

राजस्थान के कई अस्पतालों को मिली बम से उड़ाने की धमकी

जयपुर/भाषा। राजस्थान की राजधानी जयपुर के पांच अस्पतालों समेत राज्य के कई अस्पतालों को रविवार को ई-मेल के जरिए संदेश भेजकर बम से उड़ाने की धमकी मिली, जो अफवाह निकली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ते की टीमों ने अस्पताल परिसर की जांच के लिए अस्पतालों की घेराबंदी की, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। शहर के जिन अस्पतालों को बम की धमकी मिली, उनमें मोनीलेक अस्पताल, सी.के. बिड़ला अस्पताल, मानस अस्पताल, एपेक्स अस्पताल और रूंगटा अस्पताल शामिल हैं। जयपुर के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) कुंवर राष्ट्रदीप ने कहा, जयपुर के पांच अस्पतालों को इस तरह के (बम की धमकी वाले) ई-मेल मिलने की सूचना मिली है। बम निरोधक दस्ते को उन स्थानों पर भेजा गया। तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। पुलिस ने बताया कि साइबर विशेषज्ञों की मदद से ई-मेल भेजने वाले के 'आईपी एड्रेस' का पता लगाया जा रहा है।

'राजनीतिक हित के लिए राष्ट्रहित को तिलांजलि देना ठीक नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि राजनीतिक हित के लिए राष्ट्रहित को तिलांजलि देना ठीक नहीं है।

धनखड़ ने कहा कि राजनीतिक रूप से वैचारिक मतभेद होना प्रजातंत्र की खूबी है, अलग-अलग विचार रखना प्रजातंत्र के गुलदस्ते की महक है, पर यह तब तक ही ठीक है जब राष्ट्रहित को तिलांजलि नहीं दी जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रहित को सर्वोपरि नहीं रखेंगे तो जो यह राजनीतिक मतभेद हैं, यह राष्ट्रविरोधी बन जाते हैं।

उपराष्ट्रपति ने रविवार को यहां अंगदान करने वाले परिवारों को सम्मानित करने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि लोगों को ऐसे लोगों को समझना चाहिए जिनके लिए राष्ट्रहित सर्वोपरि नहीं है और जो राजनीतिक और व्यक्तिगत हितों को इससे ऊपर रखते हैं।

धनखड़ ने कहा, ''और यदि वे अब भी कायम हैं, तो मैं सभी से इन ताकतों को बेअसर करने का आग्रह करता हूं जो इस राष्ट्र के विकास के लिए हानिकारक हैं।''

उपराष्ट्रपति ने कहा कि राजनीति में लोकतंत्र का अपना महत्व है, अलग-अलग विचार रखना लोकतंत्र के गुलदस्ते की खुशबू है, लेकिन यह तभी तक है जब तक राष्ट्रीय हित की बलि न दी जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी परिस्थिति में राष्ट्रीय हित से समझौता नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि भारतीयता हमारी पहचान है। उन्होंने कहा कि भारत में जो विकास हो रहा है और उसकी गति अकल्पनीय है, जिसके बारे में आज की पीढ़ी को कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने नई पीढ़ी से अपील की कि वे संविधान दिवस को इस रूप में देखें कि संविधान पर कब खतरा आया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि 'आपातकाल' का काला अध्याय हाल के चुनावों के साथ समाप्त हो गया।

धनखड़ ने कहा, ''नहीं, हम 'आपातकाल' के अत्याचारों को भूल नहीं सकते और इसीलिए भारत सरकार ने 'संविधान हत्या दिवस'मनाने की पहल की है ताकि हमारी नई पीढ़ी को आगाह किया जा सके कि उन्हें पता होना चाहिए कि एक ऐसा भी कालखंड था जब आपके पास कोई भी मौलिक अधिकार नहीं थे।''

कांग्रेस सरकारों की तुष्टीकरण की नीति के कारण शरणार्थियों को नागरिकता अधिकार नहीं दिए गए : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि कांग्रेस तथा उसके सहयोगियों की अगुवाई वाली पिछली सरकारों की तुष्टीकरण की राजनीति के कारण देश में बड़ी संख्या में शरणार्थियों को नागरिकता अधिकार नहीं दिए गए।

शाह ने गुजरात में 188 हिंदू शरणार्थियों को नागरिकता प्रमाणपत्र देने के बाद अहमदाबाद में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) लाखों शरणार्थियों को उनके अधिकार तथा न्याय देने के लिए है। उन्होंने मुसलमानों को भी आश्वासन दिया कि सीएए में किसी की भी नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है क्योंकि यह नागरिकता देने के बारे में है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''कांग्रेस तथा उसके सहयोगियों की पिछली सरकारों की तुष्टीकरण की नीति के कारण शरण के लिए देश में आए लोगों को उनका अधिकार और न्याय 1947 से 2014 तक नहीं मिला।''

शाह ने कहा, '' उन्हें (शरणार्थियों को) न केवल पड़ोसी देशों में हिंदू, जैन, बौद्ध और सिख होने के कारण प्रताड़ित किया गया बल्कि हमारे देश में भी लाखों-करोड़ों लोग तीन पीढ़ियों से न्याय के लिए तरस रहे हैं।''

शाह ने कहा कि पिछली सरकारों ने करोड़ों घुसपैठियों को देश में घुसने दिया और उन्हें अवैध रूप से नागरिक बना दिया, लेकिन उन्होंने कानून का पालन करने वाले और इसके लिये आवेदन करने वाले लोगों को यह कहकर नागरिकता देने से इनकार कर दिया कि इसके लिए कोई कानूनी प्रावधान नहीं है

शाह ने कहा, ''मैं इस मंच से पिछली सरकारों के मुखियाओं से पूछना चाहता हूं कि अपनी बहनों-बेटियों और अपनी संपत्तियों को बचाने के लिए यहां आए लोगों का क्या दोष था कि वे इस देश के नागरिक नहीं बन सके।''

केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''कानून पारित होने के बाद सभी को गुमराह किया गया कि इससे मुसलमानों के साथ अन्याय होगा और वे अपनी नागरिकता खो देंगे। आज मैं मुसलमान समुदाय को फिर से स्पष्ट करना चाहता हूं कि इस कानून में किसी की नागरिकता छीनने का कोई प्रावधान नहीं है। यह कानून नागरिकता देने के लिए है।''

शाह ने कहा कि हालांकि आज भी कुछ राज्य सरकारें लोगों को गुमराह कर रही हैं।

जयशंकर ने कुवैत के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की, द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुवैत सिटी/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कुवैत के शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को प्रगाढ़ करने के तरीकों तथा क्षेत्र में भू-राजनीतिक घटनाक्रम पर चर्चा की।

रविवार को एक दिवसीय यात्रा पर यहां पहुंचे जयशंकर ने 'क्राउन प्रिंस' (युवराज) शेख सबा अल-खालिद अल-सबा से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को उच्चतर स्तर पर ले जाने के लिए उनके साथ विचार-विमर्श किया।

जयशंकर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा अल-खालिद अल-सबा अल-हमद अल-मुबारक अल-सबा से मुलाकात कर गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की ओर से शुभकामनाएं दीं।'' उन्होंने कहा, ''भारत और कुवैत के बीच सद्भावना और मित्रता के सदियों पुराने रिश्ते हैं। हमारी मौजूदा साझेदारी लगातार बढ़ रही है। हमारे संबंधों को और प्रगाढ़ करने के वास्ते उनके मार्गदर्शन और अंतर्दृष्टि के लिए उनका शुक्रिया।'' उन्होंने कुवैत के प्रधानमंत्री शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद अल-जबर अल-सबा से भी मुलाकात की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं।

जयशंकर ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में कहा, ''कुवैत के प्रधानमंत्री शेख अहमद अब्दुल्ला अल-अहमद अल-जबर अल-सबा से मुलाकात कर प्रसन्नता हुई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। भारत-कुवैत संबंधों को और मजबूत बनाने के बारे में उनके विचारों की सराहना की। आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने के संबंध में उनके विचारों को महत्व दिया।'' सरकारी समाचार एजेंसी कुना की रिपोर्ट के अनुसार, बैठक के दौरान द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई।

जयशंकर ने अपने कुवैती समकक्ष अब्दुल्ला अली अल-याह्या के साथ ''गर्मजोशी भरी और सार्थक'' बैठक की, जिस दौरान दोनों नेताओं ने राजनीतिक, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क और कनेक्टिविटी को कवर करने वाली व्यापक साझेदारी की समीक्षा की।

यूक्रेनी सैनिकों ने रूस के दो महत्वपूर्ण पुलों पर हमला किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कीव/एपी। यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पुल को नष्ट कर दिया है तथा पास में ही स्थित एक और पुल पर हमला किया है। यह हमला सीमा पार से की गई घुसपैठ के दो सप्ताह से भी कम समय में हुआ है। इस हमले से रूसी आपूर्ति मार्ग बाधित हो गया है।

रूस के क्रेमलिन समर्थक सैन्य 'ब्लॉगर्स' ने स्वीकार किया है कि ग्लुशकोवो शहर के पास सेइम नदी पर बने पहले पुल के नष्ट होने से यूक्रेन के आक्रमण को रोकने वाले रूसी बलों को आपूर्ति बाधित होगी, हालांकि मॉस्को अभी भी क्षेत्र में छोटे पुलों का इस्तेमाल कर सकता है। यूक्रेन की वायुसेना के प्रमुख लेफ्टिनेंट मायकोला ओलेशचुक ने शुक्रवार को यूक्रेनी हवाई हमले का एक वीडियो जारी किया, जिसमें पुल दो हिस्सों में बंट गया।

ओलेशचुक और रूस के क्षेत्रीय गवर्नर अलेक्सई स्मिरनोव के अनुसार, दो दिन से भी कम समय बाद यूक्रेनी सैनिकों ने रूस में एक दूसरे पुल पर हमला किया।

रविवार सुबह तक इस बात की कोई आधिकारिक सूचना नहीं थी कि दूसरे पुल पर हमला वास्तव में कहां हुआ। रूसी टेलीग्राम चैनलों ने दावा किया कि ज्वानोए गांव में सेइम नदी पर बने दूसरे पुल पर हमला हुआ है। रूस की 'मैश' समाचार साइट के अनुसार हमलों के बाद क्षेत्र में केवल एक पुल ही बचा है।

सूडान में लड़ाकों ने एक गांव में कम से कम 85 लोगों की हत्या की

काहिरा/एपी। सूडान में अर्धसैनिक समूह के लड़ाकों ने एक गांव में तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी के बाद महिलाओं एवं बच्चों समेत कम से कम 85 लोगों की हत्या कर दी। प्राधिकारियों और स्थानीय निवासियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। देश में 18 महीने से जारी विनाशकारी संघर्ष में रक्तपात की यह ताजा घटना है। सूडान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि अर्धसैन्य बल 'रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ)' ने जुलाई में सेन्नार प्रांत के गलगानी में हमले शुरू किए और पिछले सप्ताह आरएसएफ लड़ाकों ने ''गांव के निहत्थे निवासियों पर अंधाधुंध गोलीबारी की।''

बयान के अनुसार, ग्रामीणों ने अपहरण और महिलाओं व लड़कियों के साथ यौन शोषण का विरोध किया, जिसके बाद उन पर हमला किया गया। इसमें बताया गया है कि हमले में 150 से अधिक ग्रामीण घायल हो गए। एक स्वास्थ्य देखभाल कर्मी ने बताया कि शुक्रवार तक चिकित्सा केंद्र में 24 महिलाओं और नाबालिगों समेत कम से कम 80 मृतकों के शव आए।

भारत के सामने जनसंख्या पर नियंत्रण पाना एक बड़ी चुनौती : नारायणमूर्ति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी इंफोसिस के सह संस्थापक और पद्म विभूषण से सम्मानित उद्योगपति एन.आर. नारायण मूर्ति ने बढ़ती हुई जनसंख्या और प्रति व्यक्ति जमीन की उपलब्धता को भारत के लिए एक बड़ी चुनौती बताया है।

नारायणमूर्ति ने रविवार को यहां मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के 20वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, भारत के समक्ष जनसंख्या, प्रति व्यक्ति जमीन उपलब्धता, स्वास्थ्य सुविधाओं की बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा, आपातकाल के समय से हम भारतीयों ने जनसंख्या नियंत्रण पर बहुत अधिक ध्यान नहीं दिया। इससे हमारे देश के अव्यवहारिक बनने का खतरा है। भारत के मुकाबले अमेरिका, ब्राजील और चीन की प्रति व्यक्ति जमीन की उपलब्धता कहीं अधिक है। नारायणमूर्ति ने कहा, सही मायने में एक पेशेवर का दायित्व है कि वह देश की प्रगति में योगदान दे। यह योगदान उसकी ऊंची आकांक्षाओं और बड़े सपने देखने तथा उन सपनों को हकीकत में बदलने के लिए कठिन परिश्रम पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा, एक पीढ़ी को दूसरी पीढ़ी का जीवन बेहतर बनाने के लिए कई बलिदान देने पड़ते हैं। मेरे माता पिता, भाई बहन और गुरुओं ने मेरी प्रगति के लिए बहुत बलिदान दिया और आज यहां मुख्य अतिथि के तौर पर मेरी उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि उनका बलिदान बेकार नहीं गया। दीक्षांत समारोह में कुल 1670 उपाधियां प्रदान की गईं जिनमें स्नातकोत्तर छात्रों को 34 स्वर्ण पदक और स्नातक छात्रों को 13 स्वर्ण पदक प्रदान किए गए।

हमें सत्ता मिलने पर लाडकी बहिन योजना के तहत वित्तीय सहायता बढ़ जाएगी : शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सतारा/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि यदि ''प्यारी बहनें हमें (फिर से) सत्ता में लाएंगी तो लाडकी बहिन योजना के तहत वित्तीय सहायता बढ़ जाएगी।''

इस योजना के तहत, ढाई लाख रुपए से कम की सालाना पारिवारिक आय वाली महिलाओं को मासिक वित्तीय सहायता के रूप में 1,500 रुपए दिये जा रहे हैं।

शिंदे ने सतारा में योजना की शुरुआत किये जाने के अवसर पर कहा, ''मेरी सरकार 1,500 रुपए पर नहीं रुकेगी। अगर आप हमें (फिर से) सत्ता में लाएंगी तो पैसा बढ़ जाएगा।'' उनका बयान महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में समर्थन के लिए एक स्पष्ट आह्वान है। चुनाव अक्टूबर-नवंबर में होने की संभावना है।

शिंदे ने कहा कि अब तक एक करोड़ पात्र महिलाओं को 3,000 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं और इस वर्ष के लिए 35,000 करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'लाडकी बहिन योजना' और तीन मुफ्त सिलेंडर देने की पहल महिलाओं को ''आत्मनिर्भर'' बनाने का प्रयास है, न कि चुनावी हथकंडा। उन्होंने विपक्षी दलों पर कटाक्ष करते हुए कहा, ''हालांकि, दुष्ट सौतेले भाई इन योजनाओं को बदनाम कर रहे हैं।'' शिंदे ने तंज कसते हुए कहा कि जो लोग चांदी के चम्मच के साथ पैदा हुए हैं, वे 1,500 रुपए के महत्व और मूल्य को नहीं समझेंगे।

भारत में कारोबार 10 अरब डॉलर के पार, अब तक 1.4 अरब डॉलर का निवेश: फॉक्सकॉन चेयरमैन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीपेरुंबुदुर/भाषा। अनुबंध पर आईफोन का उत्पादन करने वाली फॉक्सकॉन का भारत में कारोबार 2024 तक 10 अरब डॉलर के पार हो गया है। कंपनी के चेयरमैन यंग लियू ने यहां यह जानकारी दी। कंपनी के अनुसार, फॉक्सकॉन ने अब तक भारत में 1.4 अरब डॉलर का निवेश किया है। लियू ने पीटीआई-भाषा से कहा, पिछले साल तक हमने 10 अरब डॉलर से अधिक का कारोबार किया है। हम आने वाले साल में और भी बहुत कुछ करेंगे।

वह शनिवार को यहां फॉक्सकॉन के संयंत्र के पास कंपनी के केवल महिलाओं के लिए बने आवासीय परिसर के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित लियू ने कहा कि देश की अपनी वर्तमान यात्रा के दौरान उन्होंने कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों से मुलाकात की और महसूस किया कि भारत उन्नति की ओर अग्रसर है। इस वर्ष 75वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर तीसरे सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार पद्म भूषण से सम्मानित किए जाने के बाद लियू की यह पहली भारत यात्रा है। लियू ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात के साथ अपनी लगभग एक सप्ताह लंबी भारत यात्रा की शुरुआत की। उन्होंने प्रधानमंत्री के साथ तमिलनाडु, कर्नाटक और तेलंगाना में फॉक्सकॉन के निवेश पर चर्चा की। लियू ने इन तीनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों और राज्य के मंत्रियों से भी मुलाकात की।

कंपनी के महिला आवासीय परिसर का उद्घाटन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने किया। उद्घाटन के दौरान लियू ने कहा कि कंपनी स्त्री-पुरुष का अंतर किये बिना कर्मचारियों को नियुक्त करती है, लेकिन भारत में महिलाओं, विशेषकर विवाहित महिलाओं ने इसके प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। फॉक्सकॉन के चेयरमैन ने कहा कि भारत में ताइवान की प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण कंपनी द्वारा सभी प्रकार की नियुक्तियों में बढ़ोतरी का रुझान है।

शाह ने अहमदाबाद में 1,003 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के अहमदाबाद में करीब 1,003 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया तथा लोगों से पर्यावरण की रक्षा करने के लिए देशव्यापी पौधारोपण अभियान में भाग लेने की अपील की।

पर्यावरण और ओजोन परत को बचाने में पेड़ों के महत्व पर जोर देते हुए शाह ने कहा कि अहमदाबाद नगर निगम (एएमसी) ने आने वाली पीढ़ी के लिए 100 दिन में 30 लाख पौधे लगाने का संकल्प लिया है और वह इस अभियान से निकटता से जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, ''यह एक सुंदर अभियान है और यह बड़ी बात है कि एक नगर निगम 30 लाख पौधे लगाएगा। लेकिन मैं अहमदाबाद के निवासियों से पूछना चाहता हूं कि आपका क्या योगदान होगा?'' शाह ने कहा कि अहमदाबाद के लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वे अपनी आवासीय सोसायटी, आसपास की भूमि और बच्चों के विद्यालयों में परिवार के सदस्यों की संख्या के बराबर पौधे लगाएं। उन्होंने कहा, ''प्रत्येक नागरिक को पर्यावरण में कार्बन डाइऑक्साइड से ज्यादा ऑक्सीजन बढ़ाने के लिए कदम उठाने को अपने जीवन का लक्ष्य बनाना चाहिए। हम वाहनों, एयर कंडीशनर व बिजली का इस्तेमाल कर कार्बन डाइऑक्साइड पैदा करते हैं।'' शाह ने कहा कि सड़कों, बिजली स्टेशन, पुलों जैसे बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लाखों-करोड़ों पेड़ काटे गए और इससे ओजोन परत में छेद हो गया है। उन्होंने कहा कि इससे पृथ्वी और मानव के अस्तित्व को एक बड़ा खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से अपनी मां के नाम पर एक पौधा लगाने का आह्वान किया है और हम पर अपनी माताओं का जो ऋण है, उसे चुकाने के लिए कोई विकल्प नहीं है। शाह ने कहा, ''मैं अहमदाबाद के प्रत्येक नागरिक से अपनी जिम्मेदारी समझने और एक पौधा लगाने तथा एक बच्चे की तरह उसकी देखभाल करने की अपील करता हूं।'' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अहमदाबाद की तरह कई शहरों ने लाखों पौधे लगाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री मोदी का 'एक पेड़ मां के नाम' ने एक जन अभियान का रूप ले लिया है और अहमदाबाद के लोगों को भी इसमें भाग लेना चाहिए।

घरेलू, वैश्विक बाजारों में उद्योग से बेहतर प्रदर्शन का भरोसा: टीवीएस मोटर

नई दिल्ली/भाषा। टीवीएस मोटर के मुख्य कार्यपालक अधिकारी के एन राधाकृष्णन ने कहा कि नए उत्पादों की पेशकश और प्रमुख क्षेत्रों में परिचालन को मजबूत करने के साथ चालू वित्त वर्ष में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उद्योग के मुकाबले कंपनी के तेजी से आगे बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि घरेलू बाजार में कंपनी को सामान्य मानसून के साथ ग्रामीण बाजारों को मजबूती मिलने की संभावना के चलते वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों की बात करें तो राधाकृष्णन ने इस साल अफ्रीका जैसे प्रमुख बाजारों में बेहतर प्रदर्शन और पश्चिम एशिया तथा लातिन अमेरिका जैसे अन्य क्षेत्रों में परिचालन का विस्तार करने की उम्मीद जताई। राधाकृष्णन ने विश्लेषकों के साथ एक वार्ता में कहा, ''हमारे मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो; उपभोक्ताओं, नए उत्पादों, आकर्षक गुणवत्ता और प्रौद्योगिकी पर हमारे अटूट जोर के चलते हमें विश्वास है कि हम घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में उद्योग से बेहतर प्रदर्शन करेंगे।''

तेलंगाना से राज्यसभा उम्मीदवार बनना सम्मान की बात: अभिषेक मनु सिंघवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने रविवार को कहा कि तेलंगाना में आगामी राज्यसभा उपचुनाव के लिए पार्टी का उम्मीदवार बनना उनके लिए सम्मान की बात है।

सिंघवी ने यहां कांग्रेस नेता के केशव राव से मुलाकात की। राव के भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने के बाद उच्च सदन से इस्तीफा देने के कारण उपचुनाव जरूरी हो गया है। सिंघवी ने संवाददाताओं से कहा, ''तेलंगाना से उम्मीदवार बनना मेरे लिए सम्मान की बात है।''

केशव राव ने भरोसा जताया कि तेलंगाना में सत्तारूढ़ कांग्रेस के संख्या बल के दम पर उपचुनाव सर्वसम्मति से होगा और कहा कि सिंघवी को पार्टी विधायकों से मिलवाया जाएगा। इससे पहले दिन में सिंघवी का यहां हवाई अड्डे पर कांग्रेस सांसद मल्लू रवि, कांग्रेस की प्रदेश इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़, राज्य सरकार के प्रोटोकॉल सलाहकार हरकारा वेणुगोपाल और अन्य लोगों ने स्वागत किया। सिंघवी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''कांग्रेस तेलंगाना के नेताओं ने गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। आज यहां राज्यसभा चुनाव के लिए प्रचार करने पहुंचा हूं।'' सिंघवी ने हैदराबाद में तेलंगाना के सिंचाई मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी और पार्टी के अन्य नेताओं से भी मुलाकात की। कांग्रेस ने 14 अगस्त को तेलंगाना में राज्यसभा उपचुनाव के लिए सिंघवी को उम्मीदवारी घोषित किया था। तेलंगाना समेत नौ राज्यों की 12 राज्यसभा सीट के लिए तीन सितंबर को चुनाव होने हैं।

आत्मा उन्नत होने के लिए सामायिक करते रहना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां शिवाजीनगर स्थित गणेश बाग में श्री विनयमुनिजी म. सा. 'खींचन' ने आवश्यक सूत्र की विवेचना रकते हुए कहा कि व्यवहार में आत्मा सामयिक है। पर्याय दृष्टि से सामायिक आत्मा का गुण है। गुण गुणी के पास होता है। हर व्यक्ति के पास नहीं होता है। सामयिक किसको प्राप्त होती है? जिनकी आत्मा संयम नियम और तप से सन्निहित होती है। समता भाव सभी जीवों पर रखता है। एक भी व्यक्ति से द्वेष रखने वाला जीवन में आराधक नहीं बन सकता है। जो अन्य जीवों के दुखों को समझ कर अन्य किसी जीव को दुख नहीं देते हैं। सभी जीवों को अपनी आत्मा के समान समझते हैं। ऐसे जीव सामयिक के अधिकारी होते हैं। आत्मा उन्नत होने के लिए सामायिक करते रहना चाहिए। सामायिक और समता की जोड़ी है। सूत्र में 12 व्रत में सामायिक प्रधान व्रत है। दो घड़ी हिंसादि 18 पापों का त्याग कर शांति समता से जीना ही सामायिक है। सामायिक प्रतिदिन करनी चाहिए। शिक्षा और अभ्यास करने योग्य सामायिक शिक्षा व्रत है। अहिंसा आदि 11 व्रत इसी सामायिक में ही जीवित रह सकते हैं। दोड्डबल्लापुर से वरिष्ठ श्रावक चंपालाल मकाणा, सुजीत मकाणा परिवार, अरसीकेरे से डॉ रोशन लाल बोहरा, फेजर टाउन से वरिष्ठ श्रावक स्वाध्यायी विमलचंद काठेड, मुन्नालाल डूंगरवाल, आरआर नगर से अविनाश डागलिया सलोनी डागलिया कून्नूर से अंकित बोथरा और शहर के उपनगरों से अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। संघ प्रवक्ता राजु सकलेचा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री संपत राज मंडोत ने आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर लोगों को बधाई दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर लोगों को शुभकामनाएं दीं और उम्मीद जताई की कि यह त्योहार समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान बढ़ाएगा। उन्होंने कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के बीच अनोखे बंधन का उत्सव है, जो प्रेम और आपसी विश्वास की भावना को मजबूत करता है।

मुर्मू ने कहा, ''यह त्योहार धार्मिक और सांस्कृतिक सीमाओं से परे हमारे देश की विविधता में एकता का प्रतीक है।'' राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी संदेश में उन्होंने कहा, ''यह त्योहार महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए हमारे संकल्प को मजबूत करता है। यह त्योहार सद्भाव और प्रेम की भावना को बढ़ावा दे तथा समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान बढ़ाए।'' रक्षाबंधन का पर्व सोमवार को मनाया जाएगा। इस दिन बहन अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं।

kaspersky

भारतीय कंपनियों को साइबर सुरक्षा बजट को वृद्धि उद्देश्यों से जोड़ना होगा: कैस्परस्की

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय कंपनियों में बढ़ते डिजिटलीकरण और उससे जुड़े जोखिमों के मद्देनजर साइबर सुरक्षा बजट को अपने वृद्धि उद्देश्यों के साथ जोड़ना होगा। साइबर सुरक्षा समाधान उपलब्ध कराने वाली कंपनी कैस्परस्की के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि टिकाऊ विस्तार सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना जरूरी है।

कंपनियों को अपना कारोबार बढ़ाने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) और सृजन से जुड़े एआई सहित नए जमाने की तकनीकों का इस्तेमाल जरूरी है। कैस्परस्की में एशिया प्रशांत क्षेत्र के प्रबंध निदेशक एड्रियन हिया ने पीटीआई-भाषा से कहा, ''कारोबार बढ़ाने के लिए आपको डिजिटलीकरण की जरूरत है। अगर आप डिजिटलीकरण नहीं करते हैं, तो आपके कारोबार में वृद्धि अपेक्षा के मुताबिक नहीं होगी।''

हरियाणा में सत्तारूढ़ भाजपा को दस साल का लेखा-जोखा देना होगा :कुमारी सैलजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जींद (हरियाणा)/भाषा। कांग्रेस महासचिव और सांसद कुमारी सैलजा ने रविवार को कहा कि हरियाणा में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पिछले दस साल का लेखा-जोखा देना होगा। सैलजा ने यहां पार्टी की बदलाव रैली को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में किसानों के साथ भेदभाव हुआ है, उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई, ऐसे में भाजपा को जवाब देना ही होगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में दलित, कर्मचारी, पिछड़ा, किसान, महिला, व्यापारी सभी वर्गों के साथ भाजपा सरकार कैसा बर्ताव करती आई है, यह सभी ने देखा है, इसीलिए सभी वर्गों में भाजपा के प्रति रोष है एवं इसका बदला जनता एक अक्टूबर को वोट की चोट से लेगी। हरियाणा में एक अक्टूबर को विधानसभा चुनाव है। सैलजा ने कहा कि नौकरियों में घोटाले हो रहे हैं, युवाओं को रोजगार के लिए विदेशों में जाना पड़ रहा है। उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि अब ऐसी सरकार से छुटकारा पाने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, '' (पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष) राहुल गांधी के प्यार और मोहब्बत एवं विकास के नारे को जन-जन तक पहुंचाने के लिए हम यात्रा निकाल रहे हैं। लोगों को जनविरोधी सरकार से मुक्ति दिलाकर हम उनके हकों की रक्षा करेंगे।''

इसरो के एसएसएलवी की नजर छोटे उपग्रह कारोबार में पैठ बनाने पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) का नवीनतम उपग्रह प्रक्षेपण यान 'एसएसएलवी' अपनी श्रेणी का पहला रॉकेट है, जो व्यावसायिक उद्देश्यों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। यह दो अन्य रॉकेट स्काईरूट के 'विक्रम' और अग्निकुल कॉसमॉस के 'अग्निबाण' के साथ छोटे उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने के मामले में अंतरिक्ष उद्योग में प्रतिस्पर्धा करेगा।

अंतरिक्ष उद्योग के अनुमान के अनुसार, भारत में उपग्रह प्रक्षेपण बाजार के 2033 तक 3.5 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो 2022 में 72 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। इसके अलावा इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करने से लेकर पृथ्वी अवलोकन तक कई अनुप्रयोगों के लिए छोटे उपग्रह के पहली पसंद होने का अनुमान है।

भारतीय अंतरिक्ष संघ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल ए. के. भट्ट (सेवानिवृत्त) ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, बड़े प्रक्षेपण यान मौजूद हैं, लेकिन बड़ी संख्या में उपग्रहों के प्रक्षेपण के कारण कंपनियां इंतजार नहीं करना चाहती हैं, वे जितनी जल्दी हो सके उपग्रह प्रक्षेपित करना चाहती हैं और छोटे यान उनके लिए विशेष तौर पर तैयार किए गए हैं।

'पिक्सल' इस साल के अंत में अपने 'हाइपर-स्पेक्ट्रल' उपग्रहों को कक्षा में स्थापित करने के लिए इसरो के प्रक्षेपण वाहनों का उपयोग करने पर भी विचार कर रहा है।

पिक्सल के सीईओ अवैस अहमद ने जुलाई में 'पीटीआई-भाषा' को बताया, फिलहाल हम जो छह उपग्रह बना रहे हैं, उनमें से तीन को स्पेसएक्स और तीन को इसरो प्रक्षेपित करेगा।

भट्ट ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (आईएन-स्पेस) भी विभिन्न सरकारी मंत्रालयों के साथ उनकी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए छोटे उपग्रहों का एक समूह बनाने के लिए चर्चा कर रहा है। उन्होंने कहा, ये उपग्रह भारतीय कंपनियां बनाएंगी और इससे घरेलू प्रक्षेपण वाहनों के लिए बाजार खड़ा करने में मदद मिलेगी।

मित्र वही जो बुराइयों से बचाए : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक भवन में रविवार को राजेश मुनिजी ने मैत्री का महत्व बताया। मैत्री दिवस के विशेष प्रवचन में मुनिजी ने कहा कि मित्रता में कोई छोटा या बड़ा नहीं होता। मित्र ऐसा हो जो संकट में साथ दे, सही रास्ता दिखाए। ऐसा मित्र जो हमारी उलझन को दूर करे और हमारी निर्णय शक्ति को शुद्ध करे,उसे गुरु शब्द से संबोधित किया जाता है। गुरु हमारे सच्चे मित्र होते हैं और गुरु के लिए जगत के सभी जीव उसके मित्र हैं। किसी के मित्रों के बारे में जान लीजिए आपको पता चल जाएगा कि वह व्यक्ति कैसा होगा। किसी भी व्यक्ति की ऊंचाई पद प्रतिष्ठा और धन से नहीं, बल्कि उसके विचारों और संस्कारों से मापनी चाहिए। मित्र को बुराइयों से बचाने वाला ही सच्चा मित्र होता है. हमें सबसे पहले अपने घर परिवार के सदस्यों के साथ मैत्रीपूर्ण व्यवहार करना चाहिए्। इससे घर में समन्वय बना रहेगा। बेटे और बेटी से भी मैत्रीपूर्ण व्यवहार होना चाहिए ताकि वह अपने मन की बात कह सकें।

ऋषभ मुनिजी ने गीतिका प्रस्तुत की। संघ के अध्यक्ष महावीर चंद्र मुथा ने विचार व्यक्त किया। शांतिलाल लुणावत ने गीतिका प्रस्तुत की। मित्र मंडल से रंजीतमल कानूंगा, संपतराज मरलेचा, अशोक चौरडिया, शांतिलाल भंडारी, सेंट्रल संघ से सुरेशलाल समदड़िया, बगड़ी नगर जैन संघ से नेमीचंद सिंघी, पदम कतरेला, उत्तमचंद बांठिया, अध्यक्ष सुरेश मुथा, सुरेश कातरेला आदि उपस्थित थे। ज्ञान बंब, नवयुवक मंडल के अध्यक्ष पदम् चंद्र लुणावत, बसंत राज बेताला, दिलीप मुथा, विनीत मुथा उपस्थित रहे। संघ के अध्यक्ष धनरूपचंद मेहता व प्रकाशचंद मुथा ने स्वागत किया। संघ के मंत्री छगनमल लुणावत ने सभा का संचालन किया।

मुख्यमंत्री मान ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले हॉकी खिलाड़ियों को सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले पंजाब के हॉकी खिलाड़ियों को रविवार को यहां एक-एक करोड़ रुपए के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। मान ने इस मौके पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि यह एक ऐतिहासिक अवसर है क्योंकि राज्य और देश के लिए गौरव बढ़ाने वाले इन सभी माटी के लाल को सम्मानित किया जा रहा है।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पेरिस में कांस्य पदक के मुकाबले में स्पेन को 2-1 से हराया था। टीम ने इससे पहले टोक्यो ओलंपिक 2020 में भी कांस्य पदक जीता था। मान ने भारतीय टीम में शामिल पंजाब के आठ हॉकी खिलाड़ियों को एक-एक करोड़ रुपए से सम्मानित किया। उन्होंने ओलंपिक में भाग लेने वाले राज्य के 11 अन्य खिलाड़ियों को भी 15-15 लाख रुपए से पुरस्कृत किया। मान ने कहा कि उन्होंने भारतीय टीम का हर हॉकी मैच देखा और इन खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने सभी को गौरवान्वित महसूस कराया है। उन्होंने कहा कि पदक जीतना हर देशवासी के लिए एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने जिम्मेदारी के साथ टीम का नेतृत्व करने के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह की सराहना की। मान ने कहा कि भारतीय हॉकी अपने पुराने गौरव को हासिल करते हुए पुनरुद्धार की राह पर है। उन्होंने नवंबर में पंजाब के मोहाली में चार देशों का हॉकी टूर्नामेंट आयोजित करने का विचार रखा और कहा कि वह इस संबंध में भारतीय हॉकी अधिकारियों से बात करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए पूरे मन से काम कर रही है और इसमें कोई कसर नहीं छोड़ी जायेगी। उन्होंने कहा कि खेल महाकुंभ 'खेड़ा वतन पंजाब दियां' का तीसरा सत्र 28 अगस्त से शुरू होगा, जो राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए उत्प्रेरक का काम करेगा। मान ने कहा कि राज्य सरकार माहिलपुर क्षेत्र में फुटबॉल, संगरूर में मुक्केबाजी, जालंधर में हॉकी, लुधियाना में एथलेटिक्स और अन्य खेल क्लस्टर विकसित करेगी, जिससे खेलों को बढ़ावा मिल सके।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
FLATS FOR SALE
PURVA BLUBELLE
Adjacent to **Magadi road Metro station**
Rajajinagar Centre of the City
3 bedroom & Exclusive 5 bedroom Flats + servant room with all luxurious Amenities,
Contact : 9844027560

जम्मू-कश्मीर में भाजपा नहीं करेगी चुनाव पूर्व कोई गठबंधन: रविन्द्र रैना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

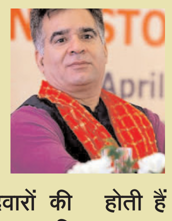

जम्मू/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जम्मू-कश्मीर इकाई के अध्यक्ष रविन्द्र रैना ने कहा है कि पार्टी जम्मू कश्मीर में चुनाव पूर्व कोई गठबंधन नहीं करेगी।

रैना ने बताया कि कश्मीर घाटी में आठ से 10 निर्दलीय उम्मीदवारों से बातचीत हो रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार है और जल्द ही उम्मीदवारों की पहली सूची की घोषणा की जाएगी। रैना ने संवाददाताओं से कहा, ''भाजपा जम्मू-कश्मीर में किसी भी राजनीतिक दल के साथ चुनाव पूर्व गठबंधन नहीं करेगी।'' उन्होंने कहा, हम कश्मीर घाटी में आठ से 10 निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ बातचीत कर रहे हैं। अगर ये चर्चाएं सफल होती हैं तो हम संयुक्त रूप से चुनाव लड़ने की रणनीति तैयार करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा कश्मीर घाटी में अपने उम्मीदवार उतारेगी और बहुमत से चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा, हम जम्मू-कश्मीर में अधिकांश सीट पर चुनाव लड़ेंगे। हालांकि हम कश्मीर (घाटी) में कुछ निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। पूर्व मंत्री चौधरी जुल्फिकार अली के भाजपा में शामिल होने पर रैना ने कहा कि राजौरी-पुंछ क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ है और वह एक प्रमुख नेता हैं। उनके शामिल होने से भाजपा को मजबूती मिलेगी।

मुडा घोटाला

सिद्दरामय्या पर मुकदमा चलाने की मंजूरी के खिलाफ कांग्रेस आज राज्यव्यापी प्रदर्शन करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई ने मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) भूखंड आवंटन 'घोटाला' मामले के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या पर मुकदमा चलाने की राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा अनुमति दिए जाने के विरोध में 19 अगस्त को राज्यव्यापी प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। गहलोत ने एमयूडीए भूमि आवंटन 'घोटाले' के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की शनिवार को मंजूरी दे दी थी। आरोप है कि सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती को मैसूरु में प्रतिपूरक भूखंड आवंटित किया गया था, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी उस भूमि की तुलना में अधिक था, जिसे एमयूडीए ने 'अधिगृहीत' किया था। हालांकि, मुख्यमंत्री ने इन आरोपों को खारिज किया है। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा, राज्य भर के सभी जिला मुख्यालयों पर विरोध रैलियां आयोजित की जाएंगी। सभी पार्टी नेता और कार्यकर्ता इसमें भाग लेंगे। सदाशिवनगर स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि राज्यपाल बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं, यह लोकतंत्र की ''हत्या'' है और कांग्रेस इसका विरोध करेगी। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने पार्टी नेताओं को शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि असामाजिक तत्व रैलियों में घुसपैठ न करें और परेशानी पैदा न करें।

पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के साथ बैठक के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमने आज उन्हें घटनाक्रम के बारे में जानकारी दी है। राज्यपाल के फैसले के खिलाफ देशव्यापी विरोध-प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा कि पार्टी इस पर फैसला करेगी।

उन्होंने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से तालुक और जिला स्तर के कार्यालयों तक एक किलोमीटर लंबा मार्च निकालने और राज्यपाल के इस कदम के खिलाफ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक ज्ञापन सौंपने का आह्वान किया।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आप सभी जानते हैं कि भाजपा और जद (एस) मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ बड़ी साजिश रच रहे हैं। इसके खिलाफ लड़ना हमारा कर्तव्य है। शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस उस साजिश के खिलाफ लड़ेगी, जिसका उद्देश्य सिद्दरामय्या को ''खत्म करना'' है।

उन्होंने कहा, हमें राज्यपाल के कार्यालय के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ने की जरूरत है, जिसने मुख्यमंत्री पर मुकदमा चलाने की अनुमति दी है।'' कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या में विरोध-प्रदर्शन में भाग लेने का आह्वान किया।

अभिषेक मनु सिंघवी और कपिल सिब्बल आज बेंगलूरु पहुंचेंगे

बेंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी देने के बाद वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी और कपिल सिब्बल 19 अगस्त को बेंगलूरु पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के दो शीर्ष वकील कर्नाटक के मुख्यमंत्री से मुलाकात करेंगे और जनप्रतिनिधियों के लिए विशेष अदालत में उनकी पैरवी कर सकते हैं। कर्नाटक के मंत्री प्रियंक खरगे ने वकीलों के नाम बताने से इनकार कर दिया, लेकिन संकेत दिया कि संवैधानिक विशेषज्ञ बेंगलूरु आएंगे। खरगे ने पत्रकारों से यहां कहा, हम इससे निपटेंगे। हमारे पास सर्वश्रेष्ठ संवैधानिक विशेषज्ञ हैं जो यहां आ रहे हैं। राज्य में हमारे पास ऐसे बहुत से लोग हैं जो इस मामले में सरकार की मदद कर रहे हैं। राज्यपाल गहलोत ने शनिवार को तीन अधिकार कार्यकर्ताओं की शिकायत पर एमयूडीए में कथित वैकल्पिक भूखंड घोटाले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी।

सिद्दरामय्या ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 22 अगस्त को कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक बुलाई है। राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में कथित भूखंड आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने के बाद यह बैठक बुलाई गयी है। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) द्वारा जारी बयान के अनुसार, बैठक विधान सौधा सम्मेलन कक्ष में होगी।

कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी और जैव प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियंक खरगे ने पत्रकारों से कहा, चूंकि राज्यपाल की भूमिका को लेकर बहुत हंगामा हो रहा है, इसलिए हमें अपने लोगों को अवगत कराने की जरूरत है। आखिरकार वे जनप्रतिनिधि हैं। 136 विधायकों को यह जानने की जरूरत है कि क्या हो रहा है। मुख्यमंत्री आवास के एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, यह बैठक एमयूडीए घटनाक्रम से संबंधित है। मुख्यमंत्री कांग्रेस विधायकों को मामले के तथ्यों से अवगत कराएंगे और कानूनी और राजनीतिक रूप से इस मामले से लड़ने की रणनीति तैयार करेंगे। तीन निजी व्यक्तियों की शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए गहलोत ने सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी।

एमयूडीए ने सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती को मैसूरु के एक पॉश इलाके में हर्जाने के तौर पर भूखंड आवंटित किए थे और आरोप है कि उसका संपत्ति मूल्य उस स्थान की तुलना में अधिक था, जिसे एमयूडीए द्वारा अधिग्रहित किया गया था। भाजपा नेताओं ने दावा किया है कि एमयूडीए घोटाला चार से पांच हजार करोड़ रुपये का है। कांग्रेस सरकार ने 14 जुलाई को एमयूडीए घोटाले की जांच के लिए उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति पी.एन. देसाई की अध्यक्षता में एक सदस्यीय जांच आयोग का गठन किया था। मुख्यमंत्री ने कथित घोटाले में किसी भी तरह की गड़बड़ी से इनकार किया।

प्रदर्शन

बेंगलूरु में रविवार को बंगाली एसोसिएशन के सदस्य फ्रीडम पार्क में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक युवा चिकित्सक के बलात्कार और हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

अगले छह महीनों में कर्नाटक में भाजपा के आधे नेता जेल में होंगे : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मंत्री प्रियंक खरगे ने रविवार को कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के आधे नेता अगले छह महीने में या तो जेल में होंगे या जमानत के लिए चक्कर लगाएंगे, क्योंकि कांग्रेस नीत सरकार पूर्ववर्ती भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के मामलों की तह तक जाएगी।

मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) में भूखंड आवंटन घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ मुकदमा चलाने की राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा अनुमति दिए जाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रियंक ने कहा कि कांग्रेस ने प्रतिशोध के तहत किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, क्योंकि उसकी पहली प्राथमिकता सुशासन है। खरगे ने यहां संवाददाताओं से कहा, सरकार के तौर पर हमारी पहली प्राथमिकता कुशल शासन देना है, न कि प्रतिशोध में कार्रवाई करना। लेकिन हां, यह भी कहा जा सकता है कि पिछली सरकार में काफी अनियमितताएं हुई थीं। मंत्री ने कहा कि भाजपा नेताओं के खिलाफ 35 से अधिक मामले हैं और तीन से चार मामलों में अंतरिम रिपोर्ट पेश की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार ने आपराधिक जांच विभाग की एक विशेष जांच टीम गठित की है।

खरगे ने कहा, हम इन मामलों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हम इन मामलों की तह तक पहुंचेंगे। इसमें समय लगता है। पिछली सरकार में बहुत भ्रष्टाचार हुआ था। हम इस पर काम कर रहे हैं। मैं आपको फिर से आश्वस्त करना चाहता हूं कि अगले छह महीनों में भाजपा के आधे नेता जेल में होंगे या जमानत के लिए चक्कर लगाएंगे।'' एक सवाल पर खरगे ने कहा कि सिद्दरामय्या के खिलाफ मामले को भाजपा नेता तार्किक अंजाम तक नहीं ले जा सकते क्योंकि उनके पास कोई सबूत नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा, वे केवल यही कर सकते हैं कि वे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई), आयकर विभाग, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राज्यपाल का इस्तेमाल करके मामले को बनाए रखें।

राज्य में राजनीतिक घमासान के लिए राज्यपाल गहलोत को जिम्मेदार ठहराते हुए खरगे ने आरोप लगाया कि राज्यपाल कठपुतली हैं और कर्नाटक के संवैधानिक प्रमुख नहीं हैं। मंत्री ने आरोप लगाया, दुर्भाग्य से राज्यपाल के पद से समझौता किया गया है और वह भाजपा कार्यकर्ता की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

एक सवाल पर उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कभी जनादेश के जरिए सत्ता में नहीं आई, बल्कि उसने जनादेश चुराया है। खरगे ने कहा कि यही एकमात्र तरीका था जिससे भाजपा कर्नाटक या अन्य जगहों पर सत्ता में आ सकती थी।

जलभराव

रविवार को दोपहर में हुई बारिश के कारण बेंगलूरु में मैसूर रोड पर नायडहल्ली फ्लाईओवर पर जलभराव के कारण गुजरते वाहन।

कॉलेज की छात्रा का यौन उत्पीड़न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु में एक युवती का रविवार तड़के एक अज्ञात मोटरसाइकिल सवार ने कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (पूर्वी क्षेत्र) रमन गुप्ता ने बताया कि युवती शहर के एक कॉलेज में अंतिम वर्ष की छात्रा है और वह कोरमंगला में एक समारोह के बाद हेब्बागोडी स्थित अपने घर लौट रही थी।

गुप्ता ने यहां संवाददाताओं से कहा, जिस व्यक्ति से उसने लिफ्ट ली थी उसने बलात्कार किया। हमने बलात्कार का मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि वह कोरमंगला में एक समारोह में गई थी। अधिकारी ने कहा, केवल एक ही संदिग्ध है। जिस व्यक्ति ने उसे लिफ्ट दी थी उसी पर बलात्कार करने का संदेह है और हमारी जांच जारी है।

गुप्ता के कहा कि पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर गए थे और उन्होंने पीड़िता तथा उसके रिश्तेदारों से बात की। उन्होंने कहा,हमने सारी जानकारी एकत्र कर ली है और पांच टीमें गठित कर दी हैं। हम जांच कर रहे हैं और जल्द ही अपराधी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

रक्षा बंधन

रक्षा बंधन की पूर्व संध्या पर, लोग रविवार को बेंगलूरु के गांधीबाजार में राखियां खरीदते हुए।

मंत्री ने कमजोर पुलों की पहचान कर तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश के मद्देनजर कर्नाटक के राजस्व मंत्री ने आज अधिकारियों को निर्देश दिये कि वह तत्काल कमजोर पुलों की पहचान कर वैकल्पिक व्यवस्था करें और जर्जर स्कूल तथा आंगनबाड़ी भवनों को भी खाली कराएं जिससे किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि कर्नाटक में भारी बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति की समीक्षा के लिए राजस्व मंत्री कृष्ण ब्यारे गौड़ा ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक महत्वपूर्ण बैठक की जिसमें उन्होंने जिलाधिकारियों को आपदा प्रबंधन से जुड़े कई निर्देश दिए।

मंत्री ने जिलाधिकारियों को ग्राम पंचायत स्तर पर कार्य बल समिति के गठन के निर्देश दिए तथा जर्जर स्कूल और आंगनबाड़ी भवनों को तुरंत खाली कराने तथा उनके मरम्मत का काम शुरू करने के लिए भी कहा।

मंत्री ने कहा कि बारिश से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं और चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में मंगलूरु के जिलाधिकारी मुल्लई मुहिलान ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित कूलूर पुल और केत्तिकल्लु पहाड़ी से संभावित खतरे के बारे में मंत्री को अवगत कराया जिस पर गौड़ा ने स्थिति से निपटने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था और उन्नत तकनीक के इस्तेमाल के निर्देश दिए। बैठक में पुलिस अधीक्षक यतीश, अपर जिलाधिकारी डॉ. जी. संतोष कुमार, पुत्तूर के उप-विभागीय अधिकारी जुबिन महापात्र समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

पहाड़ी क्षेत्रों में 'ट्रैकिंग' पर लगा प्रतिबंध हटा, पर्यटन बढ़ने की उम्मीद

मंगलूरु एवं निकटवर्ती क्षेत्रों में पश्चिमी घाट की पर्वतीय श्रृंखलाओं में ट्रैकिंग' पर लगा प्रतिबंध शनिवार को हटा लिया गया और अब पर्यटक एवं पर्वतारोही सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाकर 'ट्रैकिंग' कर सकेंगे। दक्षिण कन्नड़ जिले के उपायुक्त मुल्लई मुहिलान ने इस संबंध में शनिवार शाम निर्देश जारी कर लोगों को पश्चिमी घाट की पहाड़ियों में 'ट्रैकिंग' पर जाने की छूट दे दी। इस पूरे इलाके में जून से जारी भारी बारिश के बाद भूस्खलन, बाढ़ और पेड़ गिरने की घटनाओं के मद्देनजर पर्यटकों के जाने एवं पर्वतारोहण पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

जिलाधिकारी द्वारा जारी निर्देश में कहा गया है कि सुरक्षा उपायों से कोई समझौता नहीं करने की शर्त पर प्रतिबंध हटाया गया है।

जिला प्रशासन ने इस क्षेत्र में ट्रैकिंग' आयोजकों को सलाह दी है कि वे पर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ केवल सुरक्षित मार्ग पर ही 'ट्रैकिंग' के कार्यक्रम आयोजित करें। विभिन्न एजेंसियों एवं पर्वतारोहियों ने आशा व्यक्त की है कि उडुप्पी, कोडागु और हासन जैसे जिलों में भी जल्द ही 'ट्रैकिंग' गतिविधियां पुन: प्रारंभ हो जायेंगी जिससे क्षेत्र में इस मौसम में आने वाले पर्यटकों की संख्या में एक बार वृद्धि देखने को मिलेगी।

सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। गदग जिले के नरगुंड तालुक में रविवार सुबह एक कार और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) की बस के बीच आमने-सामने की टक्कर में एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी।

मृतकों की पहचान रुद्रप्पा अंगड़ी (58), उनकी पत्नी राजेश्वरी (50), बेटी ऐश्वर्या (18) और बेटे विजय कुमार (14) के रूप में हुई है। मृतक हावेरी जिले के मारुति नगर के निवासी थे। भारतीय जनता पार्टी के सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मौतों पर शोक व्यक्त करते हुए राज्य सरकार से दुर्घटना की उचित जांच कराने, दोषियों को दंडित करने और मृतक के परिवार को पर्याप्त मुआवजा देने का अनुरोध किया।

जीका वायरस के पांच मामले सामने आये

बेंगलूरु। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने रविवार को कहा कि बेंगलूरु में जीका वायरस के पांच मामले सामने आये हैं। राव के अनुसार, चार अगस्त से 15 अगस्त तक बेंगलूरु के जिगानी में जीका वायरस संक्रमण के पांच मामले सामने आये हैं।

उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, पहला मामला सामने आने के बाद आसपास के क्षेत्रों में चिकित्सकीय जांच किये गये तथा जीका संक्रमण के पांच मामलों की पुष्टि हुई।

चर्चा

मंत्री आरबी थिम्मापुर ने रविवार को बेंगलूरु के गांधी भवन में उप-कोटा पर ऐतिहासिक फैसले पर चर्चा का उद्घाटन किया। कवि डॉ. एल. हनुमंतैया, डॉ. भीमा राजू और अन्य लोग मौजूद रहे।

केंद्र शासित प्रदेश ने राज्य का दर्जा देने की मांग तेज की

पुडुचेरी/दक्षिण भारत । केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी को राज्य का दर्जा देने की मांग इस सप्ताह की शुरुआत में एक बार फिर विधानसभा में उठाई गई और सदन ने इस मामले में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया। यह हालांकि पहला मौका नहीं है जब पुडुचेरी विधानसभा ने इस तरह का प्रस्ताव पारित किया हो। इससे पहले भी पुडुचेरी विधानसभा में 15 बार प्रस्ताव पारित करके केंद्र सरकार से पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग की जा चुकी है। विधानसभा या लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान जारी किये गये सभी राजनीतिक दलों के चुनावी घोषणापत्र में इस बात पर जोर दिया गया है कि वे चेन्नई से लगभग 170 किलोमीटर दूर स्थित एक तटीय शहर पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा सुनिश्चित करने के लिए पूरा प्रयास किया जायेगा। सत्ता में आने वाली पार्टियों की दलील है कि निर्वाचित सरकार के पास पूर्ण अधिकार न होना एक बड़ी अड़चन रही है। पुडुचेरी की वर्तमान संवैधानिक स्थिति के तहत केंद्र शासित प्रदेश होने के कारण निर्वाचित सरकार के फैसलों को शीघ्रता से लागू नहीं किया जा सकता क्योंकि कई बाधाओं को दूर किया जाना है। उन्होंने हाल में कहा था कि केंद्र शासित सरकार को जिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, उसका एकमात्र समाधान पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देना है।

राजस्थान के कई अस्पतालों को ई मेल के जरिये मिली बम की धमकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के कई अस्पतालों को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली है। पुलिस ने यह जानकारी दी। ईमेल भेजने वाले ने दावा किया है कि अस्पताल के बिस्तरों के नीचे और स्नानागार में बम रखे गए हैं। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, अभी तक चार अस्पतालों ने इस तरह का ईमेल मिलने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि और भी कई अस्पतालों को इस प्रकार का ईमेल मिलने की आशंका है और अन्य अस्पताल ईमेल देखने के बाद इस बात की पुष्टि करेंगे। जोसेफ ने कहा कि इससे पहले जयपुर हवाई अड्डे और विद्यालयों में भी बम होने की इस तरह की धमकियां मिली थीं।

अस्पतालों को मिले ई-मेल में लिखा है, मैंने अस्पताल की इमारत में बम रखा है। बम अस्पताल के बिस्तरों के नीचे और स्नानागारों के अंदर छिपाए गए हैं। अस्पताल के अंदर मौजूद हर व्यक्ति मारा जाएगा या उसके अंग कट जाएंगे। आप में से कोई भी बच नहीं पाएगा। ईमेल में लिखा है, आप खून से लथपथ हो जाएंगे। आप सभी केवल मौत के हकदार हैं। इस नरसंहार के पीछे आतंकवादी 'चिंग और कल्टिस्ट' का हाथ है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और स्थिति पर नियंत्रण पाने के लिए आवश्यक कदम उठा रही है।

सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान से भटके बाघ की तलाश में रेवाड़ी के जंगल पहुंचीं वन विभाग की टीमें

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान की वन विभाग की टीमों ने 15 अगस्त को खैरथल-तिजारा जिले में चार ग्रामीणों पर हमला करने वाले बाघ की तलाश का दायरा सरिस्का राष्ट्रीय उद्यान से हरियाणा के रेवाड़ी के जंगलों तक बढ़ा दिया है। सरिस्का रेंज के वन अधिकारी सीताराम मीणा ने बताया कि हरियाणा के रेवाड़ी जिले के अंतर्गत आने वाले झाबुआ वन क्षेत्र में बाघ के पैरों के निशान दिखने के बाद वन विभाग की पांच से सात टीमें वहां डेरा डाले हुए हैं।

मीणा ने कहा, (वन विभाग की) पांच-सात टीमें हरियाणा के झाबुआ वन क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं, जहां बाघ के पैरों के निशान देखे गए हैं। जंगल घना है, इसलिए बाघ को बेसुध करना और जाल में फंसाना मुश्किल है। हमने ग्रामीणों और प्रशासन को बाघ की गतिविधि के बारे में सचेत कर दिया है। बाघ को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

बाघ 'एसटी 2303' ने बृहस्पतिवार को खैरथल-तिजारा जिले के दरबारपुर गांव में खेतों में घुसकर चार ग्रामीणों पर हमला कर दिया था। इस हमले में एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गया था। अधिकारियों के मुताबिक, बाघ ने पहले मुंडावर में अपने घर की ओर जा रहे एक व्यक्ति को निशाना बनाया। इसके बाद वह दरबारपुर गांव पहुंचा, जहां उसने चार ग्रामीणों पर हमला कर दिया। अब उसके भटककर हरियाणा स्थित रेवाड़ी के जंगलों में चले जाने का अंदेशा है।

प्रदेश के प्रत्येक युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना हमारी प्राथमिकता : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सीकर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जीवन को सही दिशा देने में शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वे न केवल विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हैं बल्कि उन्हें जीवन की हर परिस्थिति का सामना कर सफल बनने के लिए मार्गदर्शित भी करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इसी गुरू-शिष्य परंपरा को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है तथा प्रदेश के प्रत्येक युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री शर्मा रविवार को सीकर के सीएलसी संस्थान में पंडित हरिनाथ चतुर्वेदी और संत शिरोमणि मकड़ीनाथ महाराज के मूर्ति अनावरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पेपर लीक प्रकरणों से युवाओं के सपनों पर कुठाराघात हुआ था। राज्य सरकार द्वारा इस पर त्वरित कार्यवाही करते हुए एसआईटी का गठन कर अब तक 157 लोगों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। उन्होंने युवाओं को आश्वस्त किया कि युवाओं के साथ धोखा करने वाले किसी भी अपराधी को नहीं बख्शा जाएगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 2014 के बाद देश में अभूतपूर्व बदलाव आए हैं। प्रधानमंत्री द्वारा गरीब कल्याण, सीमा सुरक्षा तथा आर्थिक सशक्तीकरण के विभिन्न निर्णय लिए गए हैं, जिससे विदेशों में भारत का सम्मान बढ़ा है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देते हुए आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता लाने के लिए 'स्वच्छ भारत अभियान', महिला लिंगानुपात में सुधार लाने के लिए 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान प्रारंभ किया। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत-विकसित राजस्थान' की संकल्पना को साकार रूप देने के लिए हमारी सरकार तेजी से कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग, पर्यटन, कृषि सहित विभिन्न क्षेत्रों के विकास के लिए पानी की आवश्यकता होती है। इसको ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार बिजली एवं पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निर्णय ले रही है। ईआरसीपी, देवास परियोजना, इंदिरा गांधी नहर एवं यमुना जल समझौता जैसे अहम कदमों से राज्य में जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार द्वारा बिजली आपूर्ति के संबंध में कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। हमारी सरकार द्वारा ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के लिए निरंतर एमओयू किए जा रहे हैं। साथ ही, उन्होंने किसानों को दिन में बिजली उपलब्ध कराने के लिए आश्वस्त किया।

शर्मा ने कहा कि युवाओं को रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध करवाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। सरकारी परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करते हुए इस वर्ष एक लाख भर्तियों के लक्ष्य के साथ आगामी पांच वर्षों में 4 लाख भर्तियां की जाएंगी। राज्य सरकार द्वारा आगामी पांच वर्षों में निजी क्षेत्र के साथ मिलकर प्रदेश में कुल 10 लाख रोजगार के अवसरों का सृजन किया जाएगा।

कैलेण्डर बनाकर निरंतर भर्ती प्रक्रियाओं को गति दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने के लिए स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी तथा संभाग स्तर पर महाविद्यालय खोले जाएंगे जिससे खिलाड़ी देश-प्रदेश का नाम विश्व स्तर पर रोशन कर सकें।

उदयपुर में दूसरे दिन भी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद रही

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उदयपुर में एक सरकारी स्कूल के 10वीं कक्षा के छात्र द्वारा अपने सहपाठी को चाकू घोंपने की घटना के बाद भड़के सांप्रदायिक तनाव के बीच जिले के कई इलाकों में रविवार को भी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद रहीं। इस बीच, हमले में घायल हुए छात्र के परिजन समेत बड़ी संख्या में लोग रविवार को यहां मुखर्जी नगर चौक पर एकत्र हुए और उन्होंने महाराणा भूपाल राजकीय चिकित्सालय तक रैली निकाली। उन्होंने उन्हें अस्पताल में घायल छात्र से मिलने नहीं दिए जाने का आरोप लगाया।

उदयपुर पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने कहा, कुछ भ्रम था कि परिवार के सदस्य घायल छात्र से नहीं मिल सकते लेकिन उन्हें मिलने की अनुमति है। घायल छात्र की हालत स्थिर लेकिन गंभीर है। जल्द ही छात्र के स्वास्थ्य के संबंध में मेडिकल बुलेटिन भी जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बाजार खुले हैं लेकिन कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए रविवार को भी मोबाइल इंटरनेट सेवाएं बंद रहेंगी। इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी को शनिवार को अदालत में पेश किया गया था और उसे किशोर गृह भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी के पिता को हिरासत में लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। छात्र द्वारा अपने सहपाठी को चाकू घोंपने की घटना के बाद भड़के सांप्रदायिक तनाव के बीच जिले के कई इलाकों में शुक्रवार रात से मोबाइल इंटरनेट सेवाएं निलंबित हैं। उदयपुर के सभी सरकारी और निजी स्कूल में आगामी आदेश तक अवकाश घोषित कर दिया गया है।

पुलिस ने बताया कि हमले में घायल छात्र का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है और आरोपी छात्र को हिरासत में ले लिया गया है। दोनों छात्र नाबालिग हैं। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन ने जेसीबी की मदद से आरोपी छात्र का घर ढहा दिया है। इस कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। उदयपुर के जिलाधिकारी अरविंद पोसवाल ने कहा, अपराध करने वाले व्यक्ति के मन में प्रशासन का डर जरूरी है। जांच में पाया गया कि आरोपी का घर वन भूमि पर बना था और नियमों के अनुसार नोटिस देने के बाद तोड़फोड़ की कार्रवाई की गई।

भट्टियानी चोहट्टा में सरकारी स्कूल के बाहर चाकूबाजी की घटना के बाद भड़की सांप्रदायिक हिंसा के बीच शुक्रवार को भीड़ ने कारों में आगजनी की। पुलिस के अनुसार, घटना के विरोध में कुछ हिंदू संगठनों के सदस्य शहर के मधुबन इलाके में एकत्र हुए। उसने बताया कि भीड़ ने पथराव किया और तीन-चार कार को आग के हवाले कर दिया। शाम को तनाव बढ़ने पर बापू बाजार, हाथीपोल, घंटाघर, चेतक सर्कल और आसपास के इलाकों में बाजार बंद कर दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि कुछ हिंसक तत्वों ने एक शॉपिंग मॉल पर भी पथराव किया, जिससे दुकानों के शीशे टूट गए।

वीर दुर्गादास राठौड़ स्वामिभक्ति व मातृभूमि को संरक्षित करने का इतिहास में सर्वश्रेष्ठ उदाहरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। वीर दुर्गादास राठौड़ की 386 वीं जयन्ती पर वीर दुर्गा दास राठौड़ स्मृति समिति के तत्वावधान में रविवार को जोधपुर के डॉ एस एन मेडिकल कॉलेज सभागार में मुख्य समारोह व पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। इससे पूर्व प्रातः 8 बजे मसूरिया पहाड़ी स्थित वीर दुर्गा दास राठौड़ स्मारक स्थल पर पूजा अर्चना व पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि संसदीय कार्य, विधि व विधिक एवं न्याय मंत्री जोगा राम पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि वीर दुर्गादास राठौड़ स्वामीभक्ति व मातृभूमि को संरक्षित करने का इतिहास में सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है। उनकी त्याग, तपस्या व स्वामीभक्ति आज की पीढी के लिए प्रेरणा का स्रोत है । उन्होंने अनगिनत दुःख व कष्ट सह कर विषम परिस्थितियों में स्वामी भक्ति का परिचय दिया । पटेल ने कहा कि वीर दुर्गादास स्मृति समिति, पूर्व नरेश गज सिंह के संरक्षण में वर्षों से बेहतर कार्य कर रही है । उन्होंने इस अवसर पर सम्मानित हुई प्रतिभाओं को बधाई दी। समारोह की अध्यक्षता करते हुए पूर्व नरेश गज सिंह ने कहा कि वीर दुर्गादास राठौड़ के शौर्य,स्वामि भक्ति व जोधपुर राज्य के लिए किए गए त्याग व संघर्ष को हमेशा याद रखा जाएगा । उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए समर्पित एक पेड़ माँ के नाम अभियान चला कर देश भर में पौधारोपण किया जा रहा है।

मसूरिया पहाड़ी स्थित वीर दुर्गादास राठौड़ स्मारक स्थल पर अश्वारूढ प्रतिमा पर संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक एवं न्याय मंत्री जोगा राम पटेल व पूर्व नरेश गज सिंह जी द्वारा पूजा अर्चना कर पुष्पांजलि अर्पित की गई । इस अवसर संसदीय कार्य मंत्री जोगा राम पटेल व पूर्व नरेश गज सिंह ने पौधारोपण भी किया

राजस्थान में अब तक औसत से अधिक हुई बरसात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में इस बार सावन के महीने में मानसून के मेहरबान रहने से प्रदेश के चौबीस जिलों में अतिवृष्टि जैसी बरसात हो चुकी हैं और अब तक राज्य में सामान्य से पचास प्रतिशत से अधिक वर्षा दर्ज की जा चुकी है जो साल भर की औसत वर्षा से भी ज्यादा है। फिलहाल बारिश का दौर थम जाने से अतिवृष्टि वाले क्षेत्रों में राहत महसूस की जाने लगी है।

मौसम विभाग के अनुसार परिसंचरण तंत्र आज दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान एवं आस पास के पाकिस्तान क्षेत्र के ऊपर स्थित हैं और जोधपुर एवं बीकानेर संभाग के अधिकांश भागों में रविवार से बारिश की गतिविधियों में कमी होने एवं दिन में धूप निकलने तथा पूर्वी राजस्थान के भी अधिकांश भागों में बारिश की गतिविधियों में कमी होने तथा आगामी चार-पांच दिन में केवल छुटपुट स्थानों पर हल्की-मध्यम वर्षा होने की संभावना है। इसके बाद 22-23 अगस्त को कोटा एवं उदयपुर संभाग में कहीं कहीं पर भारी वर्षा एवं इन दो संभागों के कुछ भागों में 24-25 अगस्त को पुन: भारी भारी वर्षा होने की संभावना है। फिलहाल इक्कीस अगस्त तक कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है।

इस बार बारिश ने जयपुर सहित कई क्षेत्रों में पिछले कई वर्षों के रिकॉर्ड तोड़ दिए और जमकर पानी बरसा। पिछले 25 वर्षों में मानसून सत्र में एक जून से 15 अगस्त तक जयपुर शहर में सर्वाधिक 1040 मिलीमीटर वर्षा इस वर्ष दर्ज की गई हैं। पिछले इन वर्षों में इस बार जयपुर जिले में भी सर्वाधिक 657 मिलीमीटर बारिश हुई हैं। इस बार अच्छी बारिश के कारण जहां चौबीस जिलों में असामान्य (अतिवृष्टि) वर्षा हुई तथा 14 जिलों में सामान्य एवं छह जिलों में सामान्य बरसात रिकॉर्ड की गई। हालांकि छह जिलों बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़, सलूंबर, सिरोही एवं उदयपुर में अभी बरसात की कमी बनी हुई हैं।

जल संसाधन विभाग के अनुसार प्रदेश में गत एक जून से 18 अगस्त तक 462.87 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई जो सामान्य औसत वर्षा से 52.09 प्रतिशत अधिक है। इस बार पूरे साल भर एक जून से 30 सितंबर तक बरसात के मौसम में होने वाली औसत वर्षा 417.46 मिलीमीटर से भी 45.41 मिलीमीटर ज्यादा बारिश अब तक हो चुकी है। इस बार अब तक गत वर्ष से भी करीब 85 मिलीमीटर बरसात अधिक दर्ज की गई हैं।

इस बार इस दौरान जोधपुर संभाग फलौदी जिले में सर्वाधिक सामान्य से 204.18 प्रतिशत अधिक बारिश हुई है। इस बार इस वर्षा सीजन में एक दिन में सर्वाधिक बरसात 380 मिलीमीटर गत 11 अगस्त को करौली में दर्ज की गई।

राज्य में अब तक जिन 24 जिलों में असामान्य बरसात हुई उनमें अलवर, अनूपगढ, बालोतरा, ब्यावर, भरतपुर, बीकानेर, बूंदी, चुरु, दौसा, डीग, धौलपुर, डीडवाना-कुचामन, दूदू, गंगापुर सिटी, जयपुर, जयपुर ग्रामीण, जैसलमेर, जोधपुर ग्रामीण, करौली, केकड़ी, नागौर, फलौदी, सवाईमाधोपुर एवं टोंक शामिल है।

अपनी मां के नाम कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाए : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि अपनी मां के नाम कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाया जाना चाहिए ताकि इससे जलवायु परिवर्तन की समस्या के निराकरण में सहयोग मिलेगा और वातावरण भी बहुत शानदार होगा। एक कार्यक्रम में भाग लेने आये धनखड़ ने रविवार को यहां यह बात कही। उन्होंने कहा कि पूरे देश मे मां के नाम एक पेड़ से क्रांति आ जानी चाहिए। इसके सार्थक नतीजे निकलेंगे, और खुद को बहुत जबरदस्त अनुभूति प्राप्त होगी। उन्होंने सभी से अनुरोध किया कि अपनी मां के नाम कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाएं।

गांव हो चाहे शहर हो, कोई संस्थान हो, यह समय में लगाएं इसका हमारी जलवायु परिवर्तन की जो समस्या है उसके निराकरण मे कुछ सहयोग होगा और वातावरण भी बहुत शानदार होगा। इससे ज्यादा श्रद्धाभाव, श्रद्धासुमन समाज के प्रति नहीं हो सकता जो हमारी जननी है। उन्होंने कहा मैं मानकर चलता हूं कि इसमे समाज का हर वर्ग सक्रियता दिखाएगा।

उन्होंने कहा कि हमें एक पेड़ मां के नाम को जुनून के साथ मिशन मोड में लेना चाहिए, उस मां को सर्वोच्च श्रद्धांजलि के साथ जिससे हम अस्तित्व में आये और यही हमारी मातृभूमि के लिए सच्चा योगदान भी होगा।

अंगदान में भारत बने विश्व के लिए मिसाल

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने अंगदान को समाज की आवश्यकता बताते हुए कहा है कि अंगदान में भारत विश्व के लिए एक मिसाल बनना चाहिए।

धनखड़ रविवार को यहां बिरला सभागार में देहदानियों के परिजनों को सम्मानित समारोह में बोल रहे थे। धनखड़ और विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी में दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। समारोह में धनखड़ ने कहा कि अंगदान का कार्य समाज की प्रतिभा को बल देने वाला है। उन्होंने कहा कि हमारी सांस्कृतिक ऐतिहासिक विरासत में बलिदानों का उल्लेख है।

देहदानी अपनी आने वाली पीढ़ियों का सिर ऊंचा रखने वाला कार्य कर जाता है। उन्होंने कहा कि अंगदान में भारत विश्व के लिए एक मिसाल बनना चाहिए।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अंगदान जीवनदान है। यह गौरवमयी और अद्भुत समारोह भारत की प्राचीन संस्कृति, आदर्श और मूल्यों से जुड़ा हुआ है। पहले लोगों में अंगदान के प्रति भ्रांति थी लेकिन अब लोग अंगदान के महत्व को समझ रहे हैं और उसके लिए प्रेरित हो रहे हैं।

चिकित्सा मंत्री स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने अचानक पहुंचे एसएमएस एवं सेटेलाइट अस्पताल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर कोलकाता रेजीडेंट प्रकरण के कारण चिकित्सकों के कार्य बहिष्कार के दृष्टिगत स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने रविवार सुबह अचानक जयपुर के एसएमएस अस्पताल एवं सेठी कॉलोनी स्थित राजकीय सेटेलाइट अस्पताल पहुंचे। उन्होंने आपातकालीन सेवाओं, आईपीडी एवं ओपीडी में निरीक्षण कर चिकित्सा सेवाओं की स्थिति देखी और चिकित्सा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। खींवसर प्रातः करीब 8.30 बजे सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले आपातकालीन इकाई में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया। उन्होंने यहां रोगियों से बात कर स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी ली तथा चिकित्सकों एवं नर्सिंग स्टाफ को निर्देश दिए कि अस्पताल में आ रहे रोगियों को तत्काल उपचार उपलब्ध करवाया जाए। किसी भी मरीज को जांच एवं उपचार लेने में तकलीफ का सामना नहीं करना पडे। चिकित्सा मंत्री ने जनरल वार्ड में जाकर आईपीडी सेवाओं का भी निरीक्षण किया। वे रोगियों से मिले और उनसे पूछा कि चिकित्सकों के कार्य बहिष्कार के कारण उन्हें उपचार लेने में किसी तरह की कठिनाई तो नहीं है। रोगियों ने बताया कि उन्हें शनिवार को चिकित्सकों की हड़ताल के दौरान भी समुचित जांच एवं उपचार की सुविधा मिली। चिकित्सा मंत्री ने रजिस्ट्रेशन काउंटर एवं अन्य चिकित्सा सुविधाओं का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान सवाई मानसिंह अस्पताल में आपातकालीन इकाई, वार्ड्स, आईसीयू सहित अन्य स्थानों पर स्वास्थ्य सेवाएं सुचारू पाई गईं। इसके बाद चिकित्सा मंत्री सेठी कॉलोनी स्थित राजकीय सेटेलाइट अस्पताल में चिकित्सा सुविधाओं का निरीक्षण करने पहुंचे। उन्होंने यहां आपातकालीन सेवाओं की स्थिति देखी और रोगियों से बातचीत की। साथ ही, ओपीडी एवं आईपीडी सेवाओं का भी अवलोकन किया। यहां भी सभी सेवाएं सुचारू पाई गईं।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सर्किट हाउस में की जनसुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर रविवार को उदयपुर के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने सर्किट हाउस में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों और प्रबुद्धजनों से मुलाकात की। शिक्षा मंत्री ने यहां जनसुनचाई करते हुए आमजन के परिवादों को सुना एवं सबंधित अधिकारियों को इन परिवादों का त्वरित

निस्तारण कर परिवादियों को राहत प्रदान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर समाजसेवी रविन्द्र श्रीमाली, चन्द्रगुप्त सिंह चौहान सहित बड़ी संख्या में अन्य प्रबुद्धजन मौजूद रहे। दौरे के तहत शिक्षा मंत्री मदन दिलावर सलूंबर के लालपुरिया गांव पहुंचे जहां दिवंगत सलूंबर विधायक स्व.अमृतलाल मीणा के निवास पर पहुंचकर स्व. विधायक मीणा की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर पुण्य स्मरण किया। उन्होंने शोकसभा में शामिल होकर शोक संतप्त परिजनों को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि मीणा का आकस्मिक निधन होना हम सभी के लिए अपूरणीय क्षति है। स्व.मीणा जनजाति अंचल में समाजसेवा और जनता के हित में सदैव तत्पर थे।

हर दुष्कर्मी और अपराधी को निर्दोष साबित करना समाजवादी पार्टी का लक्ष्य : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को राज्य के मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि इस दल ने हर दुष्कर्मी और अपराधी को निर्दोष साबित करना अपने जीवन का लक्ष्य मान लिया है, लेकिन ये उत्तर प्रदेश में नहीं हो पाएगा।

रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने अयोध्या के कुमारगंज में आयोजित जनपद स्तरीय वृहद रोजगार मेला और युवा सम्मेलन में बड़ी संख्या में युवाओं को नियुक्ति पत्र और छात्र-छात्राओं को टैबलेट व स्मार्टफोन वितरित किये।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''एक तरफ (प्रधानमंत्री नरेन्द्र) मोदी जी बेटी पढ़ाओ-बेटी बढ़ाओ के साथ आगे बढ़ रहे हैं और नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से देश की संसद में और प्रदेश की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण सुनिश्चित कर रहे हैं तो दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के नेता कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ सामूहिक दुष्कर्म को अंजाम देने वाले दुष्कर्मियों का समर्थन कर रहे हैं।''

योगी ने सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के एक बयान की याद दिलाते हुए कहा, ''(सपा नेताओं को) तनिक तो शर्म करनी चाहिए। संस्कार कभी समाप्त नहीं होते। ये वही लोग हैं, जो कहते थे

कि ''लड़के हैं गलती कर देते हैं।''

मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया, ''ये वही लोग हैं, जिन्होंने इसी अयोध्या में एक गरीब अति पिछड़ी जाति की बालिका के साथ हुए दुष्कर्म की घटना पर बड़ी बेशर्मी के साथ अपराधियों को बचाने का काम किया था। इनके एक नेता कन्नौज में भी ऐसे ही मामले में पकड़े गए। लखनऊ में भी एक बेटी को बारिश के पानी में गिराने वाले अपराधियों के समर्थन में सपा के मुखिया खड़े हो गए।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा लगता है कि इनकी पार्टी का चरित्र ही ऐसा हो गया है। इनकी ये आदत छुड़ाने के लिए कानून भी है। इन्होंने हर दुष्कर्मी और अपराधी को निर्दोष साबित करना अपने जीवन का लक्ष्य मान लिया है, लेकिन ये उप्र में नहीं हो पाएगा।''

मुख्यमंत्री योगी ने कहा, ''आज अयोध्या बदल रही है। हमारा अयोध्या धाम जो पिछली सरकारों के कृत्यों के कारण अभिशप्त सा हो गया था, आज वही विकास का एक मॉडल प्रस्तुत कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''जिन लोगों को अयोध्या का ये विकास अच्छा नहीं लगता, उन्होंने सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया है। ये लोग फर्जी खबर फैलाकर अयोध्या की जनता को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास करते हैं। अयोध्या को बदनाम करने वाले वही लोग हैं जिन्होंने अयोध्या को लहूलुहान किया था।''

पुलिस भर्ती परीक्षा की चर्चा करते हुए योगी ने कहा, ''अगस्त में 23, 24, 25 और फिर 30 व 31 तारीख को पुलिस भर्ती परीक्षा की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी, जिसमें 60 हजार नौजवानों की हम भर्ती करने जा रहे हैं। इतनी बड़ी भर्ती उत्तर प्रदेश के इतिहास में कभी नहीं हुई।'' उन्होंने कहा, ''इसके तहत 20 फीसदी सीटें ऐसी होंगी, जिसमें सिर्फ बेटियां भर्ती होंगी। बेटियों की भर्ती इसलिए कर रहे हैं ताकि सड़क और चौराहों पर महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करने वाले शोहदों को ये बेटियां ठीक करने का काम कर सकें।''

बुलंदशहर में एक वाहन और बस की टक्कर में 10 यात्रियों की मौत, 27 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बुलंदशहर/भाषा। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के सलेमपुर थाना क्षेत्र में रविवार को एक वाहन (मैक्स पिकअप) और निजी बस की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गयी जबकि 27 अन्य लोग घायल हो गए। जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

जिलाधिकारी चन्द्र प्रकाश सिंह ने बताया कि रविवार को पिकअप वैन और निजी बस के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। उन्होंने कहा कि पिकअप वैन गाजियाबाद से संभल की तरफ जा रही थी तभी सलेमपुर थाना के करीब यह दुर्घटना हुई। इस हादसे में कुल 37 यात्री घायल हो गए जिसमें से 10 यात्रियों की मौत हो गयी। उन्होंने कहा कि 27 घायलों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार किया जा रहा है। जिलाधिकारी सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मामले का संज्ञान लेते हुए उन्हें और अन्य अधिकारियों को घायलों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। स्थानीय लोगों के मुताबिक, बदायूं-मेरठ राजमार्ग पर गाजियाबाद की ओर से आ रही पिकअप वैन सामने से आ रही निजी बस से टकरा गई। पुलिस के अनुसार इस सड़क हादसे में जान गंवाने वाले 10 लोगों में से सात लोग अलीगढ़ जिले के हैं और एक बुलंदशहर जिले का है जबकि दो की पहचान नहीं हो सकी है।

आईएएस का 'निजीकरण' आरक्षण खत्म करने की 'मोदी की गारंटी' है: राहुल गांधी ने 'लेटरल एंट्री' पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को 'लेटरल एंट्री' के जरिये लोक सेवकों की भर्ती करने के सरकार के कदम को ''राष्ट्र विरोधी कदम'' करार दिया और आरोप लगाया कि इस तरह की कार्रवाई से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण ''खुलेआम छीना जा रहा है।'' पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ''संघ लोक सेवा आयोग के बजाय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के माध्यम से लोक सेवकों की भर्ती करके संविधान पर हमला कर रहे हैं।''

राहुल गांधी ने ऐसे समय में यह हमला बोला है जब एक दिन पहले ही केंद्र सरकार ने 'लेटरल एंट्री' के माध्यम से 45 विशेषज्ञों की विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्ति करने की घोषणा की। आमतौर पर ऐसे पदों पर अखिल भारतीय सेवाओं – भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस), भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) और भारतीय वन सेवा (आईएफओएस) – और अन्य 'ग्रुप ए' सेवाओं के अधिकारी तैनात होते हैं। गांधी ने 'एक्स' पर दावा किया, ''केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों में महत्वपूर्ण पदों पर 'लेटरल एंट्री' के जरिए भर्ती कर खुलेआम एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग का आरक्षण छीना जा रहा है।'' उन्होंने कहा, ''मैंने हमेशा कहा है कि शीर्ष नौकरशाहों समेत देश के सभी शीर्ष पदों पर वंचितों का प्रतिनिधित्व नहीं है, उसे सुधारने के बजाय 'लेटरल एंट्री' द्वारा उन्हें शीर्ष पदों से और दूर किया जा रहा है।''

नेता प्रतिपक्ष ने कहा, ''यह यूपीएससी की तैयारी कर रहे प्रतिभाशाली युवाओं के हक पर डाका और वंचितों के आरक्षण समेत सामाजिक न्याय की परिकल्पना पर चोट है।''

झारखंड के मुख्यमंत्री सोरेन ने भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोड्डा (झारखंड)/भाषा। झामुमो नेता चंपई सोरेन के पाला बदलने की अटकलों के बीच झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रविवार को भाजपा पर विधायकों की खरीद-फरोख्त करने और समाज को बांटने का आरोप लगाया। सोरेन का यह बयान झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के विधायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन के दिल्ली पहुंचने के कुछ घंटों बाद आया।

गोड्डा जिले में सरकारी समारोह को संबोधित करते हुए हेमंत सोरेन ने आरोप लगाया कि भाजपा गुजरात, असम और महाराष्ट्र से लोगों को लाकर ''आदिवासियों, दलितों, पिछड़े वर्गों और अल्पसंख्यकों के बीच जहर फैलाने और उन्हें एक-दूसरे से लड़वाने'' का काम कर रही है। भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, ''समाज की बात तो भूल ही जाइए, ये लोग परिवारों और दलों को तोड़ने का काम करते हैं। वे विधायकों की खरीद-फरोख्त करते हैं। पैसा ऐसी चीज है कि नेताओं को इधर-उधर जाने में ज्यादा समय नहीं लगता।'' हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड में इस साल विस चुनाव होने हैं, लेकिन चुनाव कार्यक्रम ''निर्वाचन आयोग द्वारा नहीं, बल्कि राज्य में विपक्षी पार्टी (भाजपा) द्वारा तय किया जाएगा।'' उन्होंने आरोप लगाया, ''ऐसा लगता है कि निर्वाचन आयोग अब संवैधानिक संस्था नहीं रह गया है, क्योंकि इस पर भाजपा के लोगों का कब्जा हो गया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं उन्हें (भाजपा को) चुनौती देता हूं कि अगर आज विस चुनाव हुए तो झारखंड से उनका सफाया हो जाएगा।''

झारखंड का मुख्यमंत्री रहते मेरा अपमान हुआ, मेरे लिए सभी विकल्प खुले हुए हैं: चंपई सोरेन

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की अटकलों के बीच रविवार को दिल्ली पहुंचे झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने कहा कि उनके लिए सभी विकल्प खुले हुए हैं। सोरेन ने 'एक्स' पर विस्तृत लेख लिखा, जिसमें उन्होंने कहा कि झारखंड का मुख्यमंत्री रहते हुए उनका अपमान किया गया। झारखंड का बच्चा- बच्चा जनता है कि अपने कार्यकाल के दौरान, मैंने कभी भी, किसी के साथ ना गलत किया, ना होने दिया। इसी बीच, हूल दिवस के अगले दिन, मुझे पता चला कि अगले दो दिनों के मेरे सभी कार्यक्रमों को पार्टी नेतृत्व द्वारा स्थगित करवा दिया गया है। इसमें एक सार्वजनिक कार्यक्रम दुमका में था, जबकि दूसरा कार्यक्रम पीजीटी शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण करने का था।

सोरेन ने कहा, पूछने पर पता चला कि गठबंधन द्वारा तीन जुलाई को विधायक दल की एक बैठक बुलाई गई है, तब तक आप मुख्यमंत्री के तौर पर किसी कार्यक्रम में नहीं जा सकते। उन्होंने लिखा, क्या लोकतंत्र में इससे अपमानजनक कुछ हो सकता है कि एक मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों को कोई अन्य व्यक्ति रद्द करवा दे? सोरेन ने कहा, मुझे कभी भी सत्ता का लोभ रत्ती भर भी नहीं था, लेकिन आत्म-सम्मान पर लगी इस चोट को मैं किसे दिखाता? अपनों द्वारा दिए गए दर्द को कहां जाहिर करता? उन्होंने कहा, कहने को तो विधायक दल की बैठक बुलाने का अधिकार मुख्यमंत्री का होता है, लेकिन मुझे बैठक का एजेंडा तक नहीं बताया गया था। बैठक के दौरान मुझसे इस्तीफा मांगा गया।

ओडिशा में भ्रष्टाचार के आरोप में जीएसटी अधिकारी समेत तीन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सतर्कता विभाग ने रिश्वत, कर चोरी और सरकार को हानि पहुंचाने के आरोप में वाणिज्यिक कर एवं जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) अधिकारी समेत तीन लोगों को रविवार को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

सतर्कता विभाग के अधिकारियों ने बताया कि जाजपुर की प्रवर्तन इकाई के सहायक आयुक्त बिनय भूषण त्रिपाठी और दो व्यक्तियों ज्योति पटनायक एवं मोहम्मद गुलाम साद को कर चोरी और 5.85 लाख रुपए से अधिक के सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। विभाग के अनुसार, त्रिपाठी ने इस साल मई में जाजपुर जिले के रेवेना में 8.89 लाख रुपए का कबाड़ ले जा रहे एक मालवाहक वाहन को रोका था। उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक ढाबे पर वाहन को रोक लिया और वाहन को छोड़ने के लिए मालिक से 2.5 लाख रुपए की रिश्वत मांगी। विभाग ने बताया कि रिश्वत नहीं मिलने पर त्रिपाठी ने जीएसटी कानूनों का उल्लंघन करते हुए पूरे कबाड़ को दूसरे कबाड़ डीलर को अवैध रूप से बेच दिया और नाममात्र कर वसूला तथा 5.85 लाख रुपए का गबन किया। अधिकारियों ने बताया कि जांच में पता चला त्रिपाठी रिश्वत के रूप में एकत्र की गई राशि को परिवार के सदस्यों के विभिन्न बैंक खातों में नकद जमा के रूप में रखता था और बाद में उसे सावधि जमा में बदल देता था। शिकायत मिलने पर सतर्कता विभाग ने त्रिपाठी के पास आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति (यदि कोई हो) का आकलन करने के लिए एक अलग जांच शुरू की है।

कोलकाता पुलिस ने तृणमूल कांग्रेस के सांसद को समन जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। कोलकाता पुलिस ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस के सांसद सुखेंदु शेखर रॉय को तलब किया। इससे कुछ घंटे पहले ही रॉय ने मांग की थी कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) कोलकाता के पुलिस आयुक्त और आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य से पूछताछ करे।

सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक महिला चिकित्सक के बलात्कार और हत्या मामले की जांच अब सीबीआई के पास है। रॉय ने इससे पहले दिन में सीबीआई से निष्पक्ष कार्रवाई करने का आह्वान किया था और मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य तथा पुलिस आयुक्त को हिरासत में लेकर पूछताछ करने की मांग की थी ताकि पता चल सके कि ''आत्महत्या की बात किसने और क्यों फैलाई।'' पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि कोलकाता पुलिस ने रॉय को घटना के संबंध में कथित तौर पर गलत सूचना पोस्ट करने के लिए रविवार को शाम लालबाजार स्थित अपने मुख्यालय में अधिकारियों के समक्ष पेश होने को कहा है। यह पूछे जाने पर कि क्या समन का पुलिस आयुक्त पर रॉय की टिप्पणी से कोई संबंध है, सूत्र ने जवाब देने से इनकार कर दिया।

तीन घंटे की नाकेबंदी से सियालदह दक्षिण खंड में उपनगरीय रेल सेवाएं प्रभावित हुईं

कोलकाता/भाषा। पूर्वी रेलवे के सियालदह दक्षिण खंड के सुभाषग्राम में रविवार को तीन घंटे से अधिक समय तक रेल रोको आंदोलन के कारण कम से कम 11 उपनगरीय रेलगाड़ियां रद्द करनी पड़ीं और कई अन्य को गंतव्य से पहले रोकना पड़ा। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

यात्रियों के एक समूह ने ट्रेन के परिचालन में देरी पर रोक लगाने और उपनगरीय ट्रेन सेवाओं की आवृत्ति बढ़ाने की मांग को लेकर नाकाबंदी की।

पूर्वी रेलवे (ईआर) के अधिकारी ने बताया कि सुबह 7:53 बजे शुरू हुई रेल नाकाबंदी से सियालदह और लक्ष्मीकांतपुर, डायमंड हार्बर, बरुईपुर और कैनिंग के बीच उपनगरीय ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं।

शिक्षा और युवाओं को आपसी लड़ाई, नकारात्मक राजनीति से दूर रखे भाजपा : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य पर तंज कसते हुए सत्तारूढ़ दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से शिक्षा और युवाओं को आपसी लड़ाई और नकारात्मक राजनीति से दूर रखने को कहा।

वहीं मौर्य ने सपा प्रमुख पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस के मोहरा 'सपा बहादुर' अखिलेश पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यकों) का झूठ फैला रहे हैं। सपा प्रमुख ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''दर्द देने वाले, दवा देने का दावा न करें!'' इसी पोस्ट में यादव ने कहा,

''69,000 शिक्षक भर्ती मामले में उत्तर प्रदेश के एक 'कृपा-प्राप्त उप मुख्यमंत्री जी' (केशव प्रसाद मौर्य) का बयान भी साज़िशाना है। पहले तो आरक्षण की हकमारी में ख़ुद भी सरकार के साथ संलिप्त रहे और जब युवाओं ने उन्हीं के खिलाफ लड़कर लंबे संघर्ष के बाद इंसाफ पाया, तो अपने को हमदर्द साबित करने के लिए आगे आकर खड़े हो गए।'' मौर्य ने शनिवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, शिक्षकों की भर्ती में इलाहाबाद उच्च न्यायालय का फैसला सामाजिक न्याय की दिशा में एक स्वागत योग्य कदम है। यह उन पिछड़े और दलित वर्ग के लोगों की जीत है, जिन्होंने अपने अधिकारों के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। मैं उनका तहे दिल से स्वागत करता हूं।'' यादव ने आरोप लगाते हुए कहा, ''दरअसल ये 'कृपा-प्राप्त उप मुख्यमंत्री जी' शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों के साथ नहीं हैं, वे तो ऐसा करके भाजपा के अंदर अपनी राजनीतिक गोटी खेल रहे हैं।'' यादव ने साथ ही कहा, ''वह इस मामले में अप्रत्यक्ष रूप से जिनके ऊपर उंगली उठा रहे हैं, वह 'माननीय' भी अंदरूनी राजनीति के इस खेल को समझ रहे हैं। शिक्षा और युवाओं को भाजपा अपनी आपसी लड़ाई और नकारात्मक राजनीति से दूर ही रखे क्योंकि भाजपा की ऐसी ही सत्ता लोलुप सियासत के कारण उत्तर प्रदेश कई

एनसीपीसीआर प्रमुख ने बिहार के मदरसों में 'कट्टरपंथी' पाठ्यक्रम पर सवाल उठाए

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने बिहार में राज्य सरकार द्वारा वित्त पोषित मदरसों में ''कट्टरपंथी'' पाठ्यक्रम और ऐसे शिक्षण संस्थानों में हिंदू बच्चों के दाखिलों पर रविवार को गंभीर चिंता जताई। कानूनगो ने मदरसों के लिए इस तरह का पाठ्यक्रम तैयार करने में संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) की भागीदारी पर भी सवाल उठाया तथा इसे ''यूनिसेफ और मदरसा बोर्ड, दोनों द्वारा तुष्टिकरण की पराकाष्ठा'' बताया। एनसीपीसीआर के अध्यक्ष ने संयुक्त राष्ट्र से इन गतिविधियों की जांच करने की मांग की। उन्होंने मदरसा बोर्ड को भंग करने का भी अनुरोध किया। कानूनगो ने 'एक्स' पर कहा कि मदरसों में तालिम-उल इस्लाम व ऐसी ही अन्य किताबें पढ़ाई जा रहीं हैं जिनमें गैर-मुस्लिम को ''काफ़िर'' बताया गया है। इन मदरसों में हिंदू बच्चों को भी कथित तौर पर दाखिला दिया गया है, लेकिन बिहार सरकार ने अब तक आधिकारिक आंकड़ा जारी नहीं किया है। कानूनगो ने अपने पोस्ट में कहा कि हिंदू बच्चों को मदरसों से नियमित विद्यालयों में स्थानांतरित करने के सवाल पर बिहार मदरसा बोर्ड ने कथित तौर पर कहा है कि मदरसे का पाठ्यक्रम 'यूनिसेफ इंडिया' ने तैयार किया है।

मनु और राणा की साझेदारी: एक चतुर रणनीतिकार और एक शानदार खिलाड़ी की जोड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय निशानेबाज मनु भाकर अपने कोच जसपाल राणा को पिता तुल्य मानती हैं तो वहीं यह पूर्व दिग्गज इस ओलंपिक पदक विजेता पर निराशा और अति आत्मविश्वास हावी नहीं होने देता। व्यक्तित्व के मामले में एक-दूसरे से काफी अलग यह जोड़ी आंखों के इशारे से मुकाबले के दौरान अपनी योजना तैयार कर लेती है।

अनुशासन का सख्ती से पालन करने वाले कोच और उनकी जुनूनी शिष्या ने पीटीआई मुख्यालय में संपादकों के साथ बातचीत में अपने उतार-चढ़ाव को लेकर खुलकर बातचीत की। मनु और राणा के बीच टोक्यो ओलंपिक के बाद मतभेद हो गया था लेकिन दोनों फिर से साथ

आये और पेरिस ओलंपिक में मनु ने दो कांस्य पदक जीत कर इतिहास रच दिया। मनु किसी एक ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली आजाद भारत की पहली खिलाड़ी बन गयी।

इस 22 साल की निशानेबाज ने अपने चेहरे पर मुस्कान के साथ कहा, '' वह मेरे लिए पिता की तरह हैं और यह भरोसे की बात है कि आप एक व्यक्ति पर विश्वास करते हैं। जब भी कुछ करने को लेकर मेरे मन में संदेह होता है तो वह मेरी हौसला अफजाई करते हैं।'' उन्होंने कहा, '' वह मुझे चांटा भी लगा सकते हैं और कहते है कि 'तुम इसे कर सकती हो, तुमने इसके लिए प्रशिक्षण लिया है'।'' मनु की इन बातों से उनके साथ बैठे राणा थोड़े चकित हो गये और उन्होंने बीच में टोकते हुए कहा, '' तुम यहां कुछ विवाद पैदा कर रही हो।'' मनु ने अपनी बातों को स्पष्ट करते हुए कहा, '' चांटा मारने से मेरा मतलब थप्पड़ नहीं है। मैं यह कहना चाह रही हूं कि वह मुझे अपनी सीमाओं को तोड़ने के लिए प्रेरित करते हैं। वह ऐसा कहेंगे कि 'आप इसके लिए प्रशिक्षण ले रहे हैं और जाहिर तौर पर आप अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे'।''

मनु के इस जवाब के साथ ही दोनों के चेहरे पर मुस्कान आ गयी। दोनों इस बात को अच्छे से जानते हैं कि टोक्यो ओलंपिक के बाद उनके बीच का विवाद भारतीय निशानेबाजी के सबसे चर्चित विवादों में से एक था। मनु के लिए टोक्यो हर मायने में किसी आपदा की तरह था। 10 मीटर एयर पिस्टल क्वालीफिकेशन से पहले उनकी बंदूक खराब हो गयी थी और वह इसके बाद किसी भी स्पर्धा में लय हासिल नहीं कर सकी थी। राणा को अपनी इस शिष्य से काफी उम्मीदें थी लेकिन वह भारत में टीवी पर उनके प्रदर्शन को देख कर हताश होने के अलावा कुछ नहीं कर पा रहे थे। पिछले साल दोनों फिर से एक साथ आये। वे अपने विवादित अतीत को पीछे छोड़ने के लिए दृढ़ संकल्पित थे। पेरिस ओलंपिक में मिली सफलता यह बताती है कि वे लक्ष्य को पूरा करने में सफल रहे। राणा ने कहा, ''जब हमने 14 महीने पहले शुरुआत की थी, तो मेरी तरफ से उनसे केवल एक ही अनुरोध था कि हम अतीत पर चर्चा नहीं करेंगे। हम यहीं से शुरुआत करेंगे और आगे बढ़ेंगे। हमने इस चीज को पूरे समय तक बनाये रखा।'' उन्होंने कहा, '' मेरा काम उसका मार्गदर्शन करना है। यह केवल कोचिंग नहीं है। इस स्तर पर, हम उन्हें यह नहीं सिखा सकते कि कैसे देखना है या ट्रिगर कैसे खींचना है। हमें सिर्फ निराशा और अति आत्मविश्वास से बचाने की जरूरत थी।''

विनेश फोगाट का सपना, बलाली के पहलवान रिकॉर्ड तोड़ें, बड़ी उपलब्धियां हासिल करें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बलाली (हरियाणा)/भाषा। पेरिस ओलंपिक से स्वदेश लौटने पर हुए भव्य स्वागत से अभिभूत विनेश फोगाट ने कहा कि अगर वह अपने गांव बलाली से महिला पहलवानों को प्रशिक्षित करके उन्हें खुद से अधिक सफल बना सके तो यह उनके लिए गर्व की बात होगी। ओलंपिक में 50 किग्रा फाइनल में पहुंचने के बाद अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित की गईं विनेश का शनिवार को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया।

विनेश ने अपनी अयोग्यता के खिलाफ खेल पंचाट में अपील की थी लेकिन उसके तदर्थ प्रभाग ने उसे खारिज कर दिया था। दिल्ली से अपने पैतृक गांव बलाली तक के रास्ते में विनेश को उनके समर्थकों और खाप पंचायतों ने सम्मानित किया। उन्हें 135 किलोमीटर की दूरी पूरी करने में लगभग 13 घंटे का समय लगा। वह मध्य रात्रि के समय अपने गांव पहुंची। गांव वालों ने उनका पूरे उत्साह के साथ स्वागत किया। पेरिस से यहां तक के लंबे सफर के कारण विनेश काफी थक गई थी लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अपने प्रशंसकों को संबोधित

किया। विश्व चैंपियनशिप में दो बार की पदक विजेता विनेश ने उम्मीद जताई कि गांव का कोई खिलाड़ी उनकी विरासत को आगे बढ़ाएगा और उनसे अधिक सफलता हासिल करेगा। उन्होंने कहा,''मैं तहेदिल से चाहती हूं कि गांव का कोई व्यक्ति मेरी विरासत को आगे ले जाए और मेरे रिकॉर्ड तोड़ दे। अगर मैं अपने गांव की महिला पहलवानों को बढ़ावा दे सकती हूं, तो यह मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।'' विनेश ने कहा,,''अगर इस गांव से कोई पहलवान नहीं निकलता है तो यह निराशाजनक होगा। मैं आप सभी से अनुरोध करती हूं कि गांव की महिलाओं का समर्थन करें। अगर उन्हें हमारी जगह लेनी है तो उन्हें आपके सहयोग और समर्थन की जरूरत पड़ेगी।''

सुविचार

समय अच्छा हो तो आपकी गलती भी मजाक लगती है, समय खराब हो तो मजाक भी गलती बन जाती है!

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखंड भारतः कैसे, किसके लिए?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महान आध्यात्मिक गुरु महर्षि अरविंद का उल्लेख करते हुए पाकिस्तान के बारे में जो टिप्पणी की, वह हर भारतीय के लिए विचारणीय है। निस्संदेह आध्यात्मिक जगत में पाकिस्तान कोई वास्तविकता नहीं है। उसका आधार 'भारत से नफरत' और 'हिंदुओं से नफरत' है। पाकिस्तान की बुनियाद ही गलत है, लिहाजा आज उसके हर क्षेत्र में अव्यवस्था और अराजकता का माहौल है। हमें यह याद रखना चाहिए कि आज जिसे पाकिस्तान कहा जाता है, वह कुछ दशक पहले भारतभूमि थी, जिसका हमारी सांस्कृतिक व आध्यात्मिक परंपराओं से गहरा संबंध रहा है। हमारे कई प्राचीन मंदिर और ऐतिहासिक धरोहर से संबंधित स्थान वहीं रह गए। जब कभी 'अखंड भारत' बनाने की बात की जाती है तो उसके उल्लेख मात्र से पाकिस्तान भड़क उठता है। ऐसा स्वाभाविक है, लेकिन 'अखंड भारत' हमारा लक्ष्य होना ही चाहिए। भले ही उसकी प्राप्ति में कुछ वर्ष या दशक और लग जाएं। यहूदियों को अपनी पवित्र भूमि इजराइल कितने वर्षों बाद मिली थी? वे दुनियाभर में कब तक कष्टों और अत्याचारों का सामना करते रहे थे? यहूदियों ने भयंकर उत्पीड़न भोगा, लेकिन अपने पूर्वजों की पवित्र भूमि और उसके स्थानों को नहीं भूले। आखिरकार वे कामयाब हुए। पाकिस्तान बने हुए तो आठ दशक भी नहीं हुए। उसका एक विभाजन हो चुका है। हालांकि उसने इससे कोई सबक नहीं लिया। वह अपनी पहचान को लेकर ही भारी भ्रम में है। इससे बहुत गड़बड़ हुई है। प्राय: पाकिस्तानी खुद को अरब कहलवाना पसंद करते हैं। उनके कई तबके अपनी जड़ें अफगानिस्तान और ईरान से भी जोड़ते हैं। आसान शब्दों में कहें तो पाकिस्तान का मतलब है– हिंदू और हिंदुस्तान के साथ अपने संबंधों से इन्कार करना! यह प्रवृत्ति आज उसका 'राष्ट्रीय चरित्र' बन चुकी है।

एक मशहूर पाकिस्तानी लेखक इस फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ कुछ इस तरह करते हैं कि उन्हें बचपन से यही रटाया गया था कि वे अरब हैं, उनका भारतीय संस्कृति से कोई संबंध नहीं है। एक बार उन्होंने जिज्ञासावश अपना डीएनए टेस्ट करवाया तो पता चला कि उनका अरबों से दूर–दूर तक कोई रक्तसंबंध नहीं है। उनके पूर्वज अविभाजित भारत के पंजाब से थे! पाकिस्तान के बारे में यह कहा जाता है (योगी आदित्यनाथ ने भी कहा था) कि या तो उसका भारत में विलय होगा या वह हमेशा के लिए समाप्त होगा! अगर भविष्य में इन दोनों में से कोई स्थिति पैदा होती है तो भारतवासियों को उसके नतीजों के संबंध में जानकारी होना जरूरी है। क्या पाकिस्तानी इस योग्य हैं कि उन्हें 'अखंड भारत' का हिस्सा बनाया जाए? आज के पाकिस्तानी वे लोग हैं, जिनके दिलो–दिमाग में भारत से नफरत भरी हुई है। वे बहुसांस्कृतिक समाज में रहना नहीं जानते। उन्होंने अपने देश से अल्पसंख्यकों को लगभग समाप्त कर दिया। वे पश्चिमी देशों में जाते हैं तो रोज नया बखेड़ा करते हैं। यूरोप के जो देश कभी अपनी शांति और खुशहाली के लिए जाने जाते थे, आज वहां हुड़दंग मचा हुआ है, जिसमें पाकिस्तानी बढ़–चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। अगर ऐसे एक हजार लोग भी इधर आ गए और उन्हें पूरे देश में विचरण करने की अनुमति मिल गई तो वे भारत की सुरक्षा व सामाजिक सौहार्द के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। अगर दूसरी स्थिति (भविष्य में पाकिस्तान का अस्तित्व न रहे) पर विचार करें तो इसमें भारत के लिए बड़ी चुनौतियां हैं। यह पड़ोसी देश नहीं रहेगा तो क्या हुआ, उसके नागरिक तो रहेंगे! पाकिस्तान के समाप्त होने से उनका हृदय–परिवर्तन नहीं हो जाएगा। उनमें कट्टरपंथ, रूढ़िवाद, नफरत और आतंकवाद जैसे तत्त्व तो मौजूद रहेंगे। ऐसे लोग जहां भी जाएंगे, वहां शांति से नहीं रहेंगे। सवाल है– तो समाधान क्या हो सकता है? इसका जवाब है– सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति। जो लोग इनके ध्वज की छाया में होंगे, वे किसी के लिए खतरा नहीं बन सकते। सनातनी जिस भी देश में जाते हैं, उसके कानून और मान्यताओं का पूरा सम्मान करते हैं। ऐसे लोगों के लिए भारत में भी सम्मान सहित रास्ते खोले जा सकते हैं।

ट्वीटर टॉक

बीकानेर जिले के नोखा थाना क्षेत्र में तालाब में डूबने से चार बच्चियों की आकस्मिक मृत्यु का प्राप्त समाचार अत्यंत दु:खद है। शोक की इस घड़ी में मृतक बच्चियों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करती हूँ। प्रभु श्री राम जी, दिवंगत पुण्यात्माओं को पीड़ा सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

–दीया कुमारी

रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर मैं राजस्थान की सभी वीरांगनाओं को प्रणाम करता हूँ। रक्षाबंधन के अवसर पर मैं सभी वीरांगना माताओं–बहनों को सम्मान स्वरूप 2100/– रुपये ,शॉल, श्रीफ़ल और राखी की मिठाई भेजकर सभी प्रदेशवासियों की ओर से नमन करता हूँ।

–भजनलाल शर्मा

संसदीय क्षेत्र के कोटा स्थित कार्यालय पर पधारे परिवारजनों से भेंट कर उनकी समस्याओं को सुना तथा अधिकारियों को निराकरण के लिए निर्देशित किया। ग्रामीण अंचल से आए सामाजिक कार्यकर्ताओं ने मूलभूत सुविधाओं व विकास कार्यों से संबंधित विषयों की जानकारी दी।

–ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

सेवा का पुण्य

अब्दुला बिन मुबारक एक सूफ़ी संत थे। हज से फ़ारिग होकर वे काबा में सो गए। उन्होंने स्वप्न में देखा कि एक फरिश्ता दूसरे से पूछ रहा है, 'इस साल हज करने कितने लोग आए और कितने लोगों का हज कबूल हुआ।' दूसरा फरिश्ता बोला' 'हज करने तो लाखों लोग आए पर सिर्फ एक आदमी का हज कबूल हुआ, जो वास्तव में हज करने आया ही नहीं था। वह दमिश्क का एक मोची है, जिसका नाम अली बिन मूफिक है।' अब्दुल्ला दमिश्क में उस मोची से मिलने गए। पूछने पर मोची ने बताया कि उसकी हज करने की बड़ी लालसा थी। इसके लिए उसने सात सौ दिरम इकट्ठे किए थे, परंतु मालूम पड़ा कि पड़ोसी के बच्चे सात दिन से भूख के मारे तड़प रहे हैं। सो, वह रकम उसकी पत्नी ने गरीब पड़ोसी की मदद के लिए दे दी।'

सामयिक

नरेंद्र मोदी के आलोचकों की ष्टि में उनके भाषणों में सपनों और कल्पनाओं का ऐसा भावुक शब्द चिलण होता है जिसमें लोग मोहित हो जाते हैं। सच यह है कि उसी के आधार पर देश को किसी काम के लिए या स्वयं व्यक्तिगत जीवन में भी सफल होने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। प्रत्येक स्वतंलता दिवस प्रधानमंली के लिए केवल अपने किए गए कार्यों के विवरण के प्रस्तुति का मंच नहीं बल्कि भविष्य के सपने और उसके पूरा करने का आत्यविश्वास दिलाने का सबसे बड़ा अवसर होता है।

प्रधानमंत्री ने रखी भावी भारत की गौरवशाली तस्वीर

अवधेश कुमार
मोबाइल : 9811027208

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सभी 11 स्वतंत्रता दिवस संबोधनों को देखें तो आपको उसमें देश को लेकर किसी स्तर पर निराशा या नकारात्मकता की झलक नहीं दिखाई देगी। लाल किला से बोलते हुए उन्होंने हमेशा यह ध्यान रखा कि स्वतंत्रता दिवस का संबोधन लोगों के अंदर देश के लिए जिम्मेदारीपूर्वक काम करने और हर परिस्थिति में साहस और संकल्प बनाए रखने की प्रेरणा दें। 15 अगस्त, 2024 के लाल किले के संबोधन पर ही दृष्टि दौड़ाएं तो कहीं भी ऐसा नहीं लगेगा कि प्रधानमंत्री मोदी पर भाजपा के बहुमत से पीछे रह जाने और गठबंधन सरकार की विवशताओं का रंच मात्रा भी प्रभाव है। पूरा भाषण देश को यह विश्वास दिलाने पर केंद्रित रहा कि सरकार भारत को हर दृष्टि से विकसित राष्ट्रों की कतार में खड़ा करने के लिए कमर कसकर काम कर रही है और आम लोगों का भी साथ तथा सहयोग प्राप्त है जिसे और सशक्त करने की जरूरत है। भारत के लोगों की आम मानसिकता आत्मकेंद्रित हुई है, संयुक्त परिवारों के लगभग खत्म हो जाने के कारण लोग धीरे–धीरे अकेले होते जा रहे हैं तथा गांव से शहर की ओर जाने की प्रवृत्ति जबरदस्त रूप से तेज है। इसमें सामूहिक जीवन और मिलकर एक दूसरे का सहयोग करने तथा राष्ट्र निर्माण में भूमिका निभाने की उस रूप में संभावनाएं क्षीण हुई हैं जिनकी कल्पना हमारे आजादी के पूर्व और उसके बाद कुछ समय तक महापुरुषों ने की थी। ऐसा नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसका पता नहीं है। बावजूद वह कह रहे हैं कि 40 करोड लोग खड़े हुए तो हमने स्वतंत्रता पा ली और जब आज 140 करोड़ हैं तो निश्चित रूप से देश को विकसित राष्ट्र बनाएंगे तो उसके पीछे वर्तमान स्थिति के अंदर संभावनाएं देखना और लोगों को इसी स्थिति में प्रेरित करना ही व्यवहारिक रास्ता बचता है।

नरेंद्र मोदी के आलोचकों की दृष्टि में उनके भाषणों में सपनों और कल्पनाओं का ऐसा भावुक शब्द चित्रण होता है जिसमें लोग मोहित हो जाते हैं। सच यह है कि उसी के आधार पर देश को किसी काम के लिए या स्वयं व्यक्तिगत जीवन में भी सफल होने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। प्रत्येक स्वतंत्रता दिवस प्रधानमंत्री के लिए केवल अपने किए गए कार्यों के विवरण के प्रस्तुति का मंच नहीं बल्कि भविष्य के सपने और उसके पूरा करने का आत्यविश्वास दिलाने का सबसे बड़ा अवसर होता है। वास्तव में 78 में स्वतंत्रता दिवस पर अपने संबोधन से उन्होंने कुल मिलाकर भारत और भारत के बाहर भी लोगों को यह विश्वास दिलाया कि भारत समग्र रूप में विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है और इसे निर्धारित समय पर प्राप्त करके रहेगा। वर्तमान वैश्विक ढांचे में विकसित राष्ट्र की परिभाषा क्या है? अर्थव्यवस्था के वैश्विक मानकों पर खरा उतरना , शिक्षा के क्षेत्र में मूलतः सामान्य, तकनीकी एवं प्रोफेशनल संस्थाओं और उनके प्रदर्शनों को विश्व मानकों के अनुरूप लाना, रक्षा क्षेत्र में न केवल ज्यादा से ज्यादा आत्मनिर्भर होना बल्कि विश्व बाजार में सामग्रियों के विक्रय की प्रतिस्पर्धा में टिकना, आम लोगों का जीवन स्तर का निर्धारित मानक प्राप्त करना आदि आदि। प्रधानमंत्री के संबोधन का बहुत बड़ा भाग इसी पर केंद्रित था कि कैसे हमने अर्थव्यवस्था को विश्व मानकों के अनुरूप प्रगति के पथ पर लाया है और भारत की गिनती दुनिया की 5 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में हो रही है जो शीघ्र तीसरे स्थान पर पहुंच जाने वाली है। उन्होंने विश्व भर के निवेशकों को विश्वास दिलाया कि हमने निवेश एवं कारोबार की दृष्टि से आर्थिक, कानूनी, वित्तीय, व्यावसायिक आदि क्षेत्र में सुधार से ऐसे ढांचा निर्मित कर दिए हैं जिसमें आपके लिए परेशानी और जोखिम के लिए जगह न के बराबर है। आगे भी करते रहेंगे। देश के अंदर उद्यमियों को प्रोत्साहित करने तथा नए लोगों को स्टार्टअप या अनुसंधानों के साथ उद्यमी बनने की भी प्रेरणा उन्होंने दी। इसी में उन्होंने भारतीय बैंकिंग व्यवस्था की चर्चा की कि जब हम आए थे तो बैंक कितनी दुर्दशा में थे और आज बैंक विश्व के प्रमुख देशों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।। यह सच भी है। हमारे ज्यादातर बैंक संकट का सामना कर रहे थे और सुधार तथा साहसपूर्वक कदम उठाकर राष्ट्रीयकृत बैंकों की संख्या कम करना, उनको एक दूसरे से मिलाना तथा शेष कदमों के द्वारा वाकई बैंकिंग व्यवस्था सुदृढ़ है।। यह सुधार और नरेंद्र मोदी सरकार के प्रति भारत एवं बाहर के आम निवेशकों का विश्वास ही है जिसमें हिंडेनबर्ग के वर्तमान रिपोर्ट से पूरा पूंजी बाजार बेअसर रहा। लाल किले से ही उन्होंने रक्षा क्षेत्र में एक आयातक से धीरे–धीरे सामग्री निर्माता और निर्यातक की ओर बढ़ने की भी जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी उस विचार से आते हैं जिसमें हिंदुत्व और उस पर आधारित जीवन शैली वाली व्यवस्था का लक्ष्य प्राप्त करना सर्वोपरि है। उन्होंने वर्तमान ढांचे के साथ इनमें कैसे संतुलन बनाया जाए इसकी कोशिश एक सीमा तक की है। स्वतंत्रता दिवस के संबोधन में उन्होंने स्पष्ट या संकेतों के द्वारा बताया कि कोई भी देश अपनी सभ्यता–संस्कृति और पहचान के साथ विकसित बनेगा तभी वह लंबे समय टिकेगा। इसमें शिक्षा व्यवस्था सबसे महत्वपूर्ण है। मातृभाषा में शिक्षा मोदी सरकार की शिक्षा नीति में का महत्वपूर्ण स्तंभ है। केवल सामान्य शिक्षा ही नहीं इंजीनियरिंग, मेडिकल, प्रबंधन, सूचना तकनीक आदि के लिए भी इसमें स्थानीय भाषाओं में शिक्षा का लक्ष्य है। जो प्रतिभायें अंग्रेजी न जानने के कारण कुम्हला कर नष्ट हो जाती हैं उनके पूरी संभावनाओं के साथ खिलने का इसमें अवसर है। इसकी उन्होंने पूरी चर्चा की। ध्यान रखिए हमारे स्वतंत्रता आंदोलन का एक बड़ा सपना मातृभाषा के आधार पर शिक्षा एवं भारत का निर्माण था। हालांकि कांग्रेस का मुख्य नेतृत्व कुछ प्रमुख अंग्रेजी पढ़े–लिखे लोगों के हाथों में होने के कारण स्वतंत्रता के बाद यह साकार नहीं हो सका लेकिन नरेंद्र मोदी सरकार नई शिक्षा नीति के साथ धीरे–धीरे पूरे ढांचे में बदलाव की कोशिश कर रही है। जिन लोगों ने शिक्षा नीति पर काम किया है या उसे साकार करने की कोशिशें देख रहे हैं उन्हें विश्वास है कि यद्यपि इस ढांचे में जबरदस्त बाधायें हैं लेकिन सफलता मिलेगी।

किसी भी समाज और राष्ट्र के संपन्न होने में उसका कानूनी ढांचा और न्याय प्रणाली की महत्वपूर्ण भूमिका होती है । कानून आपके अनुरूप, आपके समझने लायक और न्याय प्रणाली कम खर्चीली तथा वास्तविक न्याय दिलानेवाली हो तो वह देश कुंठाओं से ऊपर अपनी कानूनी और न्यायिक समस्याओं का समाधान करते हुए आगे बढ़ता रहता है। प्रधानमंत्री ने इसी संदर्भ में 1400 कानूनों को खत्म करने तथा नई न्याय संहिता की चर्चा की। वैसे अभी इसका असर देखा जाना शेष है। एक बार बदलाव का क्रम बढ़ता है तो सुधार की संभावनाएं पैदा होने लगती है।

भारत जैसे देश में लोगों के लिए समान नागरिक कानून नहीं हो तो न संपूर्ण प्रगतिशील समाज का निर्माण होगा और न एक बहुत बड़ा वर्ग विकास की गाथा में अपनी भूमिका निभा सकेगा। सामान्यता समान नागरिक संहिता या कॉमन सिविल कोर्ड को भाजपा या आरएसएस के एजेंडि के रूप में देखा जाता है। हमारे संविधान निर्माताओं ने भी पंथ, मजहब, नस्ल से ऊपर उठकर सबके लिए समान समान नागरिक संहिता का लक्ष्य घोषित किया था। वोट की राजनीति या मुस्लिम समुदाय को लेकर आत्मघाती विचारधारा के कारण यह लक्ष्य साकार नहीं हो सका। इसके बगैर आप विश्व में सम्मानित विकसित और भारत को भारत के रूप में प्रभावी देश नहीं बना सकते। इसलिए प्रधानमंत्री ने अब सांप्रदायिक नागरिक कानून से बाहर निकाल कर सेक्यूलर नागरिक कानून की बात की है। जो सबके लिए समान कानून होगा वही सेक्यूलर होगा। ऐसा नहीं है तो वास्तव में सांप्रदायिक कानून ही है। स्वतंत्रता दिवस संबोधन में इसके उल्लेख और व्याख्या का मतलब है कि प्रधानमंत्री ने देश को स्पष्ट कर दिया है कि हम सब मिलकर इसका मन बनाएं और देश उसकी ओर बढ़े, क्योंकि संपूर्ण समाज की प्रगति और भारत की सुख, शांति समृद्धि के साथ खड़ा होने के रास्ते की बहुत बड़ी बाधा है। यही भारतीय दृष्टि हमारे कृषि क्षेत्र के संदर्भ में भी है। पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री लोगों को रासायनिक उर्वरकों से निकल कर प्राकृतिक खेती की ओर बढ़ने का आह्वान कर रहे हैं और सरकार की कृषि सुधार नीतियों में यह शामिल भी है। भारत जैसा देश तभी वाकई विकसित माना जाएगा जब इसकी कृषि व्यवस्था स्वावलंबी होगी। यह तभी संभव है जब रासायनिक खादों, अत्यधिक जल से सिंचाई से बचें तथा ऐसी फसलों को कम उगाएं जिनमें खर्च ज्यादा है। प्राकृतिक खेती इनसे बाहर निकालता है।

इस तरह देखें तो निष्कर्ष आएगा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस संबोधन से दिखाए गए सपने और संभावनाएं अगर साकार रूप लेंगे तो भारत आने वाले सैकड़ो वर्षों तक सुखी, शांत और समृद्ध राष्ट्र के रूप में विश्व का दिशादर्शन करता रहेगा। वर्तमान ढांचे में विकसित देशों से सभी आशंकित, भयभीत रहते हैं। विकसित भारत का चरित्र उससे अलग होगा। यही प्रधानमंत्री ने कहा कि हजार वर्षों का उदाहरण है कि हमसे किसी को खतरा नहीं है। इसमें यह भी निहित है कि हम किसी के लिए खतरे नहीं थे लेकिन हजार वर्षों में हम पर कितने खतरे हुए, हमारे देश को नेस्तनाबूद करने की कोशिशें हुईं और इसके टुकड़े हुए इसका ध्यान रखना आवश्यक है।

नजरिया

समझिए धागों से बंधे 'रक्षा बंधन' के मायने

प्रियंका सौरभ
मोबाइल : 7015375570

भाई–बहन का रिश्ता दुनिया के सभी रिश्तों में सबसे ऊपर है। हो भी न क्यों, भाई–बहन दुनिया के सच्चे मित्र और एक–दूसरे के मार्गदर्शक होते है। जब बहन शादी करके ससुराल चली जाती है और भाई नौकरी के लिए घर छोड़कर किसी दूसरे शहर चला जाता है तब महसूस होता है कि भाई–बहन का ये सर्वोत्तम रिश्ता कितना अनमोल है। सरहद पर खड़ा एक सैनिक भाई अपनी बहन को कितना याद करता है और बहनों की ऐसे वक़्त क्या दशा होती है इसके लिए शब्द नहीं है। रंग–बिरंगे धागे से बंधा ये पवित्र बंधन सदियों पहले से हमारी संस्कृति से बहुत ही गहराई के साथ जुड़ा हैं। यह पर्व उस अनमोल प्रेम का, भावनाओं का बंधन है जो भाई को सिर्फ अपनी बहन की नहीं बल्कि दुनिया की हर लड़की की रक्षा करने हेतु वचनबद्ध करता है। भाई–बहन के आपसी अपनत्व, स्नेह और कर्तव्य बंधन से जुड़ा त्योहार भाई–बहन के रिश्ते में नवीन ऊर्जा और मजबूती का प्रवाह करता है। बहनें इस दिन बहुत ही उत्साह के साथ अपने भाई की कलाई में राखी बांधने के लिए आतुर रहती हैं। जहां यह त्योहार बहन के लिए भाई के प्रति स्नेह को दर्शाता है तो वहीं यह भाई को उसके कर्तव्यों का बोध कराता है।

रक्षाबंधन भाई बहन के रिश्ते का त्योहार है, रक्षा का मतलब सुरक्षा और बंधन का मतलब बाध्य है। रक्षाबंधन के दिन बहने भगवान से अपने भाईयों की तरक्की के लिए भगवान से प्रार्थना करती है। राखी सामान्यतः बहनें भाई को ही बाँधती हैं परन्तु ब्राह्मणों, गुरुओं और परिवार में छोटी लड़कियों द्वारा सम्मानित सम्बंधियों (जैसे पुत्री द्वारा पिता को) भी बाँधी जाती है। वास्तव में ये त्योहार से रक्षा के साथ जुड़ा हुआ है, जो किसी की भी रक्षा करने को प्रतिबद्ध करता है। अगर इस पवित्र दिन अपनी बहन के साथ दुनिया की हर लड़की की रक्षा का वचन लिया जाए तो सही मायनों में इस त्योहार का उद्देश्य पूर्ण हो सकेगा। इस पावन त्योहार का अपना एक अलग स्वर्णिम इतिहास है, लेकिन बदलते समय के साथ बाकी रिश्तों की तरह इसमें भी बहुत से बदलाव

आए हैं। जैसे–जैसे आधुनिकता हमारे मूल्यों और रिश्तों पर हावी होती जा रही है। संस्कृति में पतन के फलस्वरूप रिश्तों में मजबूती और प्रेम की जगह दिखावे ने ले ली है। आज के बदलते समय में इस त्योहार पर भी आधुनिकता हावी होने लगी है, तब से आज तक यह परंपरा तो चली आ रही है लेकिन कहीं न कहीं हम अपने मूल्यों को खोते जा रहे हैं।

रंग–बिरंगे धागों में अब अपनत्व की भावना और प्रेम की गर्माहट कम होने लगी है। एक समय में जिस तरह के उसूल और संवेदना राखी को लेकर थी शायद अब उनमें अब रुपयों के नाम की दीमक लगने लगी है फलस्वरूप रिश्तों में प्रेम की जगह पैसे लेने लगे हैं। ऐसे में संस्कृति और मूल्यों को बचाने के लिए आज बहुत जरूरत है दायित्वों से बंधी राखी का सम्मान करने की। क्योंकि राखी का ये अनमोल रिश्ता महज कच्चे धागों की परंपरा भर नहीं है। लेन–देन की परंपरा में प्यार का कोई मूल्य भी नहीं है। बल्कि जहां लेन–देन की परंपरा होती है वहां प्यार तो टिक ही नहीं सकता, अटूट रिश्तें कैसे बन पाएंगे। इतिहास मे कृष्ण और द्रौपदी की कहानी प्रसिद्ध है, जिसमे युद्ध के दौरान श्री कृष्ण की उंगली घायल हो गई थी, श्री कृष्ण की घायल उंगली को द्रौपदी ने अपनी साड़ी मे से एक टुकड़ा बाँध दिया था, और इस उपकार के बदले श्री कृष्ण ने द्रौपदी को किसी भी संकट मे द्रौपदी की सहायता करने का वचन दिया था। रक्षा बंधन की कथाएं बताती हैं कि पहले खतरों के बीच फंसी बहन का साया जब भी भाई को पुकारता था, तो दुनिया की हर ताकत से लड़ कर भी भाई उसे सुरक्षा देने दौड़ पड़ता था और उसकी राखी का मान रखता था।

कहते हैं, मेवाड़ की रानी कर्मावती को बहादुरशाह द्वारा मेवाड़ पर हमला करने की पूर्व सूचना मिली। रानी लड़ने में असमर्थ थी अत: उसने मुगल बादशाह हुमायूँ को राखी भेज कर रक्षा की याचना की। हुमायूँ ने मुसलमान होते हुए भी राखी की लाज रखी और मेवाड़ पहुँच कर बहादुरशाह के विरूद्ध मेवाड़ की ओर से लड़ते हुए कर्मावती व उसके राज्य की रक्षा की। जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाड़कर उनकी उँगली पर पट्टी बाँध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई। आज एक बार फिर भातृत्व की सीमाओं को बहन फिर चुनौती दे रही है, क्योंकि उसके उम्र का हर पड़ाव असुरक्षित है, उसकी इज़्ज़त एवं अस्मिता को बार–बार नोचा जा रहा है।

लड़कों से ज्यादा बौद्धिक प्रतिभा होते हुए भी उसे ऊंची शिक्षा से वंचित रखा जाता है, क्योंकि आखिर उसे घर ही तो संभालना है। उसे नयी सभ्यता और नयी संस्कृति से अनजान रखा जाता है, ताकि वह भारतीय आदर्शों व सिद्धांतों से बगावत न कर बैठे। इन विपरीत हालातों में उसकी योग्यता, अधिकार, चिंतन और जीवन का हर सपना कसमसाते रहते हैं। इसलिए मेरा मानना है कि राखी के इस परम पावन पर्व पर भाइयों को ईमानदारी से पुनः अपनी बहन ही नहीं बल्कि संपूर्ण नारी जगत की सुरक्षा और सम्मान करने की, कसम लेने की अहम जरूरत है। तभी ये राखी का पावन पर्व सार्थक बन पड़ेगा और भाई–बहन का प्यार धरती पर शाश्वत रह पायेगा। यह पर्व भारतीय समाज में इतनी व्यापकता और गहराई से समाया हुआ है कि इसका सामाजिक महत्त्व तो है ही, धर्म, पुराण, इतिहास, साहित्य और फ़िल्में भी इससे अछूते नहीं हैं। रक्षाबन्धन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता या एकसूत्रता का सांस्कृतिक उपाय रहा है।

लेकिन अब प्रेम रस में डूबें रंग–बिरंग धागों की जगह चांदी और सोने की राखियों ने ली तो सामाजिक व्यव्हार में कर्तव्यों को समझने के बजाय रिवाज को पूरा करने कि नौबत आई। प्रेम और सद्भावना की जगह दिखावे ने ले ली। तभी तो रक्षा–बंधन के दिन सुबह उठते ही हर किसी के स्टेटस पर बस रक्षाबंधन की तस्वीरें और वीडियो की भरमार होती है, अब बहनों की जगह ई–कॉमर्स साइट ऑनलाइन आर्डर लेकर राखी दिये गये पते पर पहुँचाती है। अगर हम सोशल मीडिया पर दिखावे की जगह असल जिंदगी में इन रिश्तों को प्रेमरुपी जल से सींचा जाए तो हमेशा परिवार में मजबूती बनी रहेगी। राखी के त्योहार का मतलब केवल बहन की दूसरों से रक्षा करना ही नहीं होता है बल्कि उसके अधिकारो और सपनों की रक्षा करना भी भाई का कर्तव्य होता है, लेकिन क्या सही मायनों में बहन की रक्षा हो पाती है। आज के समय में राखी के दायित्वों की रक्षा करना बेहद आवश्यक हो गया है। राखी के दिन केवल अपनी बहन की रक्षा का संकल्प मात्र नहीं लेना चाहिए नहीं बल्कि संपूर्ण नारी जगत के मान–सम्मान और अधिकारों की रक्षा का संकल्प लेना चाहिए ताकि सही मायनों में राखी के दायित्वों का निर्वहन किया जा सके। रक्षाबंधन पर्व पर हमें देश व धर्म की रक्षा का संकल्प भी लेना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रन

नई दिल्ली में रविवार को 'आई रन फॉर द नेशन' में भाग लेते प्रतिभागी।

शेख हसीना ने बांग्लादेश की हर संस्था को नष्ट किया : यूनुस

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने रविवार को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना पर आरोप लगाया कि उन्होंने सत्ता बरकरार रखने की कोशिश के तहत हर संस्था को तबाह कर दिया। यूनुस ने वादा किया कि जैसे ही उनकी सरकार अहम सुधार करने की जरूरी प्रक्रिया पूरा कर लेगी, वह स्वतंत्र, निष्पक्ष और सहभागिता आधारित चुनाव कराएंगे।

सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली के खिलाफ छात्रों के बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के बाद 76 वर्षीय हसीना ने पांच अगस्त को इस्तीफा दे दिया और भारत चली गईं। हसीना के सत्ता से बाहर होने के बाद 84 साल के यूनुस ने आठ अगस्त को अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार के रूप में शपथ ली। यूनुस ने कहा, सत्ता बरकरार रखने की कोशिश में शेख हसीना की तानाशाही ने देश की हर संस्था को नष्ट कर दिया। न्यायपालिका चरमरा गई। डेढ़ दशक तक चली क्रूर कार्रवाई के जरिये लोकतांत्रिक अधिकारों को कुचला गया।

'यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश' ने यूनुस के प्रेस सचिव शफीक-उल-आलम के हवाले से खबर दी है। उनकी यह टिप्पणी उस समय आई जब वह अंतरिम सरकार के गठन के बाद पहली बार ढाका में तैनात राजनयिकों से बात कर रहे थे। यूनुस ने कहा कि

उन्होंने एक ऐसे देश की कमान संभाली है जो कई मायनों में पूरी तरह से अव्यवस्थित है। उन्होंने चुनाव आयोग, न्यायपालिका, नागरिक प्रशासन, सुरक्षा बलों और मीडिया में जरूरी सुधारों पर जोर दिया।

मुख्य सलाहकार ने कहा कि चुनावों में खुलेआम धांधली की गई और युवा पीढ़ी अपने मताधिकार का प्रयोग किए बिना ही बड़ी हो गई।

यूनुस ने कहा, बैंकों को पूर्ण राजनीतिक संरक्षण के तहत लूटा गया। सत्ता का दुरुपयोग करके सरकारी खजाने को लूटा गया।'' उन्होंने कहा कि वह राष्ट्रीय मेलमिलाप को बढ़ावा देने के लिए भी ईमानदारी से प्रयास करेंगे।

यूनुस ने कहा कि वह व्यापक आर्थिक स्थिरता और सतत विकास को बहाल करने के लिए मजबूत और दूरगामी आर्थिक सुधार करेंगे, जिसमें सुशासन और भ्रष्टाचार एवं कुप्रबंधन से निपटने को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि अंतरिम सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता कानून एवं व्यवस्था की स्थिति को नियंत्रण में लाना होगी।

यूनुस ने कहा, हम अपने लोगों के अटूट समर्थन और सशस्त्र बलों की देशभक्ति के साथ बहुत कम वक्त में सामान्य हालात के करीब होंगे।

पुलिस बल ने भी अपना काम फिर से शुरू कर दिया है। जब तक जरूरी होगा सशस्त्र बल नागरिक शासन की सहायता के लिए काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा, हमारी सरकार सभी धार्मिक और जातीय समूहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के गिरने के बाद बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के सदस्यों के विरुद्ध हिंसा में वृद्धि देखी गई।

यूनुस ने कहा कि अंतरिम सरकार अहम सुधार करने के लिए जरूरी प्रक्रिया पूरा करते ही स्वतंत्र, निष्पक्ष और सहभागिता आधारित चुनाव कराएगी।

मुख्य सलाहकार ने कहा कि उन्होंने हाल के जन-विद्रोह के दौरान हुई हत्याओं और हिंसा के लिए इंसाफ और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी अपनी प्राथमिकता बना ली है। उन्होंने कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून और अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून सहित अपने सभी अंतरराष्ट्रीय कानूनी दायित्वों को कायम रखेंगे और बढ़ावा देंगे।

यूनुस ने कहा, हमारी सरकार उन सभी अंतरराष्ट्रीय, क्षेत्रीय और द्विपक्षीय समझौतों का पालन करेगी, जिनका वह हिस्सा है।

ट्रंप का हैरिस पर निजी हमला जारी, उनसे बेहतर दिखने का दावा किया

वाशिंगटन/भाषा। राष्ट्रपति पद के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी प्रतिद्वंद्वी डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस के खिलाफ निजी हमला करते हुए कहा कि वह ''उनसे कहीं ज्यादा अच्छे दिखते हैं।'' अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने शनिवार को पेंसिल्वेनिया में एक रैली में यह टिप्पणी की। ट्रंप ने 'टाइम' पत्रिका के हालिया आवरण पृष्ठ का हवाला दिया, जिसमें उपराष्ट्रपति हैरिस को दिखाया गया है।

ट्रंप (78) ने 'टाइम' पत्रिका के चित्रकार द्वारा हैरिस (78) के चित्र के साथ ''अत्यधिक उदारता'' दिखाने की आलोचना करते हुए कहा, ''मैं उनसे कहीं अधिक अच्छा दिखता हूं।''

ट्रंप पिछली रैलियों में भी इस तरह की टिप्पणियां कर चुके हैं।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, ''टाइम पत्रिका के पास उनकी (हैरिस) कोई तस्वीर नहीं है। उनके पास एक अविश्वसनीय कलाकार है जो उनके चित्र बना रहा है। उन्होंने बहुत सारी तस्वीरें लीं जो काम नहीं आईं, इसलिए उन्होंने स्केच कलाकार को काम पर रखा।''

ट्रंप ने उपराष्ट्रपति हैरिस पर उनकी आर्थिक नीति को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था कि उन्हें हैरिस पर व्यक्तिगत रूप से हमला करने का ''अधिकार'' है, क्योंकि वह ''उनके प्रति बहुत सम्मान नहीं रखते।'' ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया की रैली के दौरान चुनाव में राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के लिए राष्ट्रपति जो बाइडन पर भी हमला किया। अमेरिका में पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए पेंसिल्वेनिया की महत्वपूर्ण भूमिका होगी क्योंकि ट्रंप ने 2016 में राज्य को बहुत कम अंतर से जीता था, लेकिन फिर 2020 में बाइडन से मामूली अंतर से हार गए। उन्होंने कहा, ''बाइडन को क्या हुआ? मैं बाइडन के खिलाफ चुनाव लड़ रहा था और अब मैं किसी और के खिलाफ चुनाव लड़ रहा हूं।'' पूर्व राष्ट्रपति ने हैरिस की आर्थिक योजना पर भी सवाल उठाए जिसे उन्होंने शुक्रवार को पेश किया था।

ट्रंप ने कहा, ''कल कमला हैरिस ने अपनी तथाकथित आर्थिक योजना पेश की। उन्होंने कहा कि वह पहले दिन से ही भोजन और आवास की लागत कम करने जा रही हैं। लेकिन हैरिस के लिए पहला दिन साढ़े तीन साल पहले था।''

हालांकि, ट्रंप ने इस बात पर जोर दिया कि वह कीमतों को नीचे ला सकते हैं, लेकिन उन्होंने अमेरिकी तेल उत्पादन को बढ़ाने की कवायद के अलावा कोई अतिरिक्त विवरण नहीं दिया।

'एबीसी न्यूज' की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने लगातार दावा किया कि हैरिस ने राष्ट्रपति बाइडन से राष्ट्रपति पद की दावेदारी ''चुरा'' ली। ट्रंप ने दावा कि बाइडन ''गुस्से में'' हैं और वह हैरिस से ''नफरत'' करते हैं। ट्रंप ने कहा, ''बाइडन उनसे नफरत करते हैं क्योंकि उन्होंने राष्ट्रपति को मुकाबले से बाहर कर दिया।''

ट्रंप की रैली के बाद एक बयान में हैरिस की चुनाव प्रचार टीम ने कहा, ''एक और रैली, वही पुराना शो।''

भाग्यशाली हूं कि इसरो को आकार देने वाले असाधारण लोगों के साथ काम करने का अवसर मिलाः सोमनाथ

कोलकाता/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष एस. सोमनाथ ने रविवार को खुद को शत-प्रतिशत स्वदेशी बताते हुए कहा कि उन्होंने जो कौशल हासिल किए हैं, वे भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी में उनके अनुभव से प्राप्त हुए हैं। आईआईटी खड़गपुर के 74वें स्थापना दिवस पर संस्थान की ओर से 'स्पेशल लाइफ फेलो' पुरस्कार से सम्मानित किये गए सोमनाथ ने इसरो में अपने पुराने दिनों याद किया और चंद्रयान-3 समेत अपनी उपलब्धियों का श्रेय उन महान लोगों व नेताओं को दिया, जिनके साथ उन्होंने काम किया है। सोमनाथ ने कहा, पिछले 38 वर्षों में हमारे और मेरे व्यक्तिगत काम में इस संगठन में प्रमुख क्षमताओं का निर्माण करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

'चिंटू की दुल्हनिया' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता प्रदीप पाण्डेय चिंटू की बहुप्रतीक्षित फ़िल्म चिंटू की दुल्हनिया का फर्स्ट लुक आज रिलीज कर दिया गया है। फ़िल्म चिंटू की दुल्हनिया का ऑफिशियल ट्रेलर 23 अगस्त को रिलीज किया जाएगा। चिंटू ने बताया कि चिंटू की दुल्हनिया काफी खूबसूरत फ़िल्म बनी है और उत्तरप्रदेश के विभिन्न खूबसूरत लोकेशन्स पर हमने महीनों की कड़ी मेहनत से फ़िल्म को पूरा किया है। इस फ़िल्म में आपको प्यार,इमोशन,एक्शन और रोमांस का अनोखा समिश्रण देखने को मिलेगा। इस फ़िल्म में दर्शकों को प्यार के एक नए फ्लेवर से रूबरू होने का मौका मिलेगा जो काफी बेहतरीन बना हुआ है ।

जॉली हिट्स एंटरटेनमेंट प्रस्तुत फ़िल्म चिंटू की दुल्हनिया के निर्माता मुकेश जवाहिर चौहान, वहीं सह निर्माता राम सिंह चौहान, भंवर सिंह, दिलीप कुमार पांडेय, शिवकुमार रमेश जायसवाल और शैलेन्द्र गुप्ता हैं। फ़िल्म के छोटू यादव ने लिखे हैं,जिन्हें संगीत से छोटे बाबा ने सजाया है। वहीं नृत्य निर्देशन कानू मुखर्जी, राम देवन और महेश आचार्य ने किया है। कार्यकारी निर्माता सरोज मिश्रा हैं। फ़िल्म की कथा,पटकथा और संवाद वीरू ठाकुर ने लिखा है।चंदन सिंह ने निर्देशन, सिनेमेटोग्राफी समीर सैय्यद ने की है।मारधाड़ दिलीप यादव ने कराया है।

फैज हमीद अशांति फैलाने की इमरान खान के नेतृत्व वाली साजिश का हिस्सा थेः पाक सरकार

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान सरकार ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर आईएसआई के पूर्व प्रमुख और अन्य के साथ मिलकर देश में अराजकता और वैमनस्य फैलाने की राजनीतिक साजिश रचने का आरोप लगाया है। मीडिया में आई खबरों में यह जानकारी दी गई है।

'एक्सप्रेस ट्रिब्यून' अखबार की खबर के मुताबिक, सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार ने दावा किया कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक देश भर में अशांति फैला रहे थे और आईएसआई के पूर्व प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद इस साजिश का हिस्सा थे।

हमीद साल 2019 से 2021 तक इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के महानिदेशक रहे थे जब खान प्रधानमंत्री थे। हमीद को अधिकारों के कथित दुरुपयोग पर एक बिल्डर की शिकायत के बाद गिरफ्तार किया गया।

बाद में, हमीद के कोर्ट मार्शल के सिलसिले में तीन सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारियों सहित कई अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया गया।

'डॉन' अखबार की खबर के मुताबिक, शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में तरार ने संकेत दिया कि लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) हमीद और उनके अन्य सह-षड्यंत्रकारियों के खिलाफ जांच का दायरा आने वाले दिनों में बढ़ाया जाएगा।

तरार ने कहा कि हमीद की गिरफ्तारी के बाद सेना ने पारदर्शी जांच की।

गिरफ्तारियों का जिक्र करते हुए सूचना मंत्री ने दावा किया कि खान ने देश में अराजकता फैलाने के लिए इन लोगों के साथ साजिश रची थी। उन्होंने कहा, यह पीटीआई संस्थापक के नेतृत्व में एक राजनीतिक गठबंधन था, जो जनरल फैज और अन्य सहयोगियों से जुड़ा था।'' उन्होंने कहा कि जांच का दायरा बढ़ाया जाएगा।

मंत्री ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश साकिब निसार का जिक्र करते हुए कहा, चाहे कोई साकिब हो या निसार, चीजें पारदर्शी तरीके से आगे बढ़ेंगी। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज पार्टी ने उन पर पीटीआई शासन की मदद करने और खान के राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने का आरोप लगाया है।

तरार ने आरोप लगाया कि ऐसे सबूत सामने आ रहे हैं, जिनसे पता चलता है कि खान इन षड्यंत्रकारियों के साथ अविश्वास प्रस्ताव के वक्त और यहां तक कि जेल जाने के बाद भी संपर्क में थे ।

इस बीच, कोर्ट मार्शल की कार्यवाही का सामना कर रहे हमीद से खुद को दूर करने के कुछ ही दिनों बाद, खान ने उन दावों का समर्थन किया कि वह और सेवानिवृत्त जनरल करीबी थे।

'डॉन न्यूज' की खबर के मुताबिक, खान ने कहा कि हमीद का पेशावर कोर में स्थानांतरण पीटीआई सरकार के खिलाफ रची गई साजिश का हिस्सा था।

खान ने दावा किया कि यह काम नवाज शरीफ के इशारे पर पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने किया था।

अमेजन प्राइम पर स्ट्रीम होगी धनुष की 'रायन'

मुंबई/एजेन्सी

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार धनुष की हालिया रिलीज फिल्म 'रायन' सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर दस्तक देने के लिए तैयार है। ये एक एक्शन-ड्रामा फिल्म है, जिसमें धनुष के लुक और अंदाज की खूब चर्चा रही। 26 जुलाई को रिलीज हुई रायन के डायरेक्टर भी खुद धनुष ही हैं और बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 150 करोड़ के करीब कलेक्शन किया था। 'रायन' में धनुष मुख्य भूमिका में हैं। प्राइम वीडियो ने अनाउंस किया है कि तमिल एक्शन ड्रामा रायन का ग्लोबल स्ट्रीमिंग प्रीमियर 23 अगस्त को किया जाएगा। सन पिक्चर्स के बैनर तले कलानिधि मारन के अंदर बनी इस फिल्म को धनुष ने डायरेक्ट करने के साथ लीड रोल निभाया है। रायन में एसजे सूर्या, सेल्वा राघवन, सरवनन, संदीप किशन, कालिदास जयराम, दुशारा विजयन, प्रकाश राज और अपर्णा बालमुरली जैसे टैलेंटेड एक्टर्स अहम रोल्स में हैं।

रायन धनुष की 50वीं फिल्म है और यह प्राइम वीडियो पर तमिल में स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी, साथ ही तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में डब किए गए वर्जन भी उपलब्ध होंगे। यह 23 अगस्त से भारत और 240 अन्य देशों और क्षेत्रों में देखा जा सकेगा। रायन की कहानी चार भाई- बहनों को है, को खुद की सुरक्षा के लिए गांव छोड़ कर शहर आ जाते हैं। बड़े होते ही, मनिकम (कालिदास जयराम) एक इमानदार कॉलेज स्टूडेंट होता है, मुथु (सुदीप किशन) आवेगी करता है, और रायन (धनुष) जिम्मेदार पिता जैसी भूमिका निभाते हैं। उनका रिश्ता उनकी बहन दुर्गा (दुशारा विजयन) के इर्द-गिर्द घूमता है।

दुर्गा की शादी करने की रायन की कोशिश उसे दो गैंगस्टर्स, सेथु (एसजे सूर्या) और दुरई (सरवनन) के बीच सत्ता संघर्ष में ले जाती है। शहर में एक नया पुलिस अधिकारी (प्रकाश राज) शहर को साफ करने की कोशिश करने के लिए स्थिति का फायदा उठाता है। कहानी रायन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो बढ़ती चुनौतियों के बीच अपने परिवार की रक्षा करने के लिए लड़ता है।

अमित सियाल की फिल्म 'टिकडम' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अमित सियाल की फिल्म 'टिकडम' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जियो स्टूडियो की अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म टिकडम का ट्रेलर जारी कर दिया है। टिकडम एक ऐसे व्यक्ति के जीवन की कहानी है, जिसका किरदार प्रतिभाशाली अमित सियाल ने निभाया है, जिसे सीमित अवसरों के कारण अपने छोटे से शहर को छोड़कर एक व्यस्त महानगर में जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

अपने फैसले के बावजूद, उसके बच्चे उसे जाने से रोकने के लिए हर संभव कोशिश करते हैं, जिससे कहानी में दर्द और दृढ़ता का एक और स्तर जुड़ जाता है। फिल्म में परिवार के भीतर होने वाले भावनात्मक उथल-पुथल को मार्मिक ढंग से दिखाया गया है। महारानी, जामताड़ा, काठमांडू कनेक्शन और काला में अपने दमदार अभिनय के लिए मशहूर अमित सियाल ने टिकडम में एक और अविस्मरणीय किरदार को जीवंत किया है। अमित सियाल ने अपनी भूमिका के बारे में कहा, टिकडम ने मुझे गहराई से प्रभावित किया। यह कहानी हमारे प्रियजनों के लिए किए जाने वाले त्याग और परिस्थितियों के बावजूद पारिवारिक संबंधों की मजबूती के बारे में है। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को यह उतना ही मार्मिक लगेगा जितना मुझे लगा।

फिल्म टिकडम में अमित सियाल के साथ, अरिष्ट जैन, आरोही सौद, दिव्यांश द्विवेदी और नयन भट्ट प्रमुख भूमिकाओं में हैं।विवेक आंचलिया द्वारा निर्देशित और ज्योति देशपांडे, पूनम श्रॉफ, पार्थ गज्जर, सवियो शेनॉय और श्वेता शर्मा आंचलिया द्वारा निर्मित, स्काईलार्क प्रोडक्शंस इंडिया और हार्दिक गज्जर फिल्म्स द्वारा निर्मित, टिकडम एक ऐसा सिनेमाई अनुभव होने का वादा करता है जो सभी उम्र के दर्शकों को पसंद आएगा।टिकडम को ह्यूस्टन के भारतीय फिल्म महोत्सव में विशेष मान्यता पुरस्कार और जागरण फिल्म महोत्सव में पारिवारिक बंधनों के अपने मार्मिक चित्रण के लिए विशेष उल्लेख पुरस्कार मिला। टिकडम 23 अगस्त से जियोसिनेमा पर स्ट्रीमिंग शुरू कर रहा है।

शुभारंभ

मुंबई में रविवार को भारतीय पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, अभिनेता सैफ अली खान और करीना कपूर खान के साथ इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) सीजन 2 के शुभारंभ अवसर पर।

निकिता दत्ता ने एक्शन फिल्मों में अपनी रुचि व्यक्त की

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री निकिता दत्ता ने एक्शन फिल्मों में अपनी रुचि व्यक्त करते हुये कहा कि वह हमेशा से ही एक्शन रोल करना चाहती थी। गोल्ड, कबीर सिंह और द बिग बुल जैसी फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाने वाली निकिता दत्ता दर्शकों को आकर्षित करना जारी रखती हैं। हाल ही में, उन्होंने घराट गणपति में अपनी पहली फिल्म के साथ मराठी सिनेमा में कदम रखा, जिसमें उनके दमदार अभिनय के लिए उन्हें सरहाना और प्रशंसा मिली।हाल ही में एक इंटरव्यू

में, निकिता ने नई जॉनर, विशेष रूप से एक्शन के लिए अपने उत्साह को साझा किया। उन्होंने खुलासा किया, मैं हमेशा से ही एक्शन रोल करना चाहती थी और यह कुछ ऐसा है जो मेरे दिमाग में है। विभिन्न विधाओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के बाद, निकिता को एक्शन से भरपूर भूमिकाएँ निभाते देखना दिलचस्प होगा। भारतीय सिनेमा के विकास के साथ, कई अभिनेत्रियाँ एक्शन भूमिकाओं में कदम रख रही हैं और निकिता की प्रतिभा और समर्पण उन्हें इस जॉनर के लिए एक परफेक्ट फिट बनाता है। निकिता दत्ता सिद्धार्थ आनंद की आगामी नेटफ्लिक्स प्रोडक्शन, ज्वेल थीफ: द रेड सन चैप्टर में अभिनय करते हुये दिखाई देगी।

नेशनल अवॉर्ड मिलने पर रोमांचित हैं नीना गुप्ता

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री नीना गुप्ता फिल्म उंचाई के लिये सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का पुरस्कार मिलने पर रोमांचित हैं। शुक्रवार को 70वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स का अनाउंसमेंट किया गया। नीना गुप्ता को फिल्म ऊंचाई के लिए बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस चुना गया। नीना गुप्ता ने नेशनल अवॉर्ड जीतने पर खुशी जताई है। उन्होंने कहा,मैं बहुत शॉक्ड हूं। फिल्म उंचाई को रिलीज हुए दो साल का समय भी हो चुका है। यह मेरे लिए बड़ा सरप्राइजिंग है। नेशनल अवॉर्ड बड़ी

बात है।मैं इसके बारे में बहुत ही ज्यादा उत्सुक हूं। दूसरे विनर्स के बारे में भी जानकर बहुत खुशी हुई।

नीना गुप्ता ने कहा,मैं इस अवॉर्ड को खुद को समर्पित करना चाहूंगी क्योंकि मैंने पूरी मेहनत की है। यह मेरी मेहनत का नतीजा है। यह मेरी जर्नी को दर्शाता है और मैं कितनी दूर आ गई हूं। कभी ना कभी तो रिजल्ट आता है और यह अवॉर्ड इसका सबूत है।यह सम्मान दर्शाता है कि मेरी कड़ी मेहनत को नोटिस किया गया। मुझे लगता है कि आप करते जाओ, कभी ना कभी फल मिलता है।काम के लिए अवॉर्ड मिलना बड़ी अचीवमेंट है। फिल्म उंचाई की शूटिंग के दौरान मजा आया। निर्देशक सूरज बड़जात्या से मुझे प्यार है। वो सेट पर बहुत शांत रहते थे। सबके साथ काम करके काफी अच्छा लगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 19-08-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

अग्रवाल समाज की शाखा अग्रवाल युवा संघ का रविवार को नलपाड बैंगलोर इंटरनेशनल होटल के सभागार में समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल व सचिव सतीश गोयल की उपस्थिति में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ।

सुसवाड़ी माता धाम में 6 अक्टूबर को विराट भक्ति संध्या और पदयात्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गोड़वाड़ भवन के मुछाला महावीर सभागार में सुराणा संघ की साधारण सभा सम्पन्न हुई। महामंत्री भीमराज सुराणा ने बताया कि आगामी आसोज मास में होसूर रोड़ स्थित श्री सुसवाणी माता धाम में नवरात्रि महोत्सव की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। संघ के अध्यक्ष महीपाल सुराणा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि 6 अक्टूबर को सुबह नारायण हृदयालय से अत्तिबेले धाम तक पद यात्रा एवं शाम को विराट भक्ति संध्या का आयोजन रखा गया है।

भक्ति संध्या के मुख्य प्रायोजक गौतमचंद जतनराज रोहित सुराणा परिवार बारनी तथा पद यात्रा के प्रायोजक छितरमल रतनलाल सुराणा गोविंदगढ़ ने सहर्ष स्वीकृति दी।

इस अवसर पर विजयराज सुराणा सोजत, अशोक सुराणा अरसीकेरे, डालमचंद सुराणा ईडवा, उत्तमचंद सुराणा सोजत, नरेन्द्र सुराणा राणावास, प्रकाश राज सुराणा सुमेरपुर, सुमतमल सुराणा नागौर, किशोर सुराणा मालुर, चैनराज सुराणा पाली, नाहरमल सुराणा जोजावर, नरेंद्र सुराणा सोजत, सोहनलाल सुराणा मुंड़ारा, सुनिल सुराणा आसोप, मोहित सुराणा बीकानेर, राजेंद्र सुराणा बीकानेर, राजेश सुराणा कुचेरा आदि संघ सदस्य उपस्थित थे।

विशेष धार्मिक आईपीएल में रेवतड़ा रूलर्स रही विजय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां आदिनाथ जैन श्वेताम्बर संघ चिकपेट में रविवार को आचार्यश्री हेमप्रभसूरीश्वरजी म. सा. के शिष्य वर्तमान गच्छाधिपति आचार्यश्री विज्ञानप्रभसूरीश्वर के आज्ञानुवर्ती श्री निर्मोहप्रभविजयजी म. सा. और साध्वीश्री अरिहंतप्रभाश्रीजी की निश्रा में चिकपेट श्रीसंघ के सोहन हॉल में गुरुदेव की निश्रा में 'आईपीएल–जहां जीत बल्ले से नहीं धर्म से मिलेगी' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें दस टीमों का गठन किया गया। इसमें विशेष क्विज रखी गई। संघ के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। क्विज में दसों टीमों का संचालन तपस्वी निक्की कोठारी, प्रकाश निम्बिजा, गौरव सतावत ने किया। साथ में मुख्य भूमिका में निर्मल चोरड़िया आगम हरण, पंकज पटवा, लक्षित सोनीगरा, गौरव सोलंकी आदि रहे। रेवतडा रूलर्स विजेता टीम रही। वहीं उपविजेता के रूप में आहोर एवेन्जर्स रही। विजेताओं को ट्राफी देकर ट्रस्टियों ने सम्मानित किया।

'जनसंख्या का कम होना सामाजिक समीकरणों के लिए घातक'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। यहां आचार्य विमलसागर सूरीश्वर ने कहा कि समाज की जनसंख्या का कम होना अत्यंत घातक सिद्ध होगा। सरकारों, सामाजिक संस्थाओं और धर्माचार्यों को यह बात अच्छी तरह समझनी होगी और घटती जनसंख्या को रोकने के उपाय ढूंढने होंगे। जिन क्षेत्रों में जनसंख्या का अनुपात बिगड़ा हैं, वहां–वहां सामाजिक समीकरण बदल गये हैं। जापान, फ्रांस, इंग्लैंड, ऑस्ट्रिया जैसे अनेक देश इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। अफगानिस्थान, पाकिस्तान और बांग्लादेश में कभी हिंदुओं और जैनों की बड़ी आबादी रहती थीं। आज वे नामशेष होने के कगार पर हैं। उन पर निरंतर अत्याचार हो रहे हैं। इन तीन देशों में हिंदुओं और जैनों के समाप्ति के कगार पर पहुंचने के तीन कारण दिखाई देते हैं। पहला कि वे हिन्दू और जैन देश छोड़कर भाग गये हैं, दूसरा कि उनका धर्मांतरण करवा दिया गया है और तीसरा कि उनकी हत्या ही कर दी गईं हों।

नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में चौथे जागरण सेमिनार में युवक–युवतियों को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य ने बताया कि देश में सभी जगह वोटबैंक के लिए तुष्टिकरण का काम चलता है। ऐसे में न्याय–नीति की बातों का कोई महत्व नहीं होता। जिसकी लाठी, उसकी भैंस की उक्ति को चरितार्थ करते हुए सरकारें काम करती हैं। आंध्र प्रदेश में पिछले दस–पंद्रह वर्षों में धर्मांतरण और भेदभाव का खूब कार्य चला। केरला में हिंदुओं और जैनों की कैसी दयनीय स्थिति है, यह किसी से छिपा नहीं है। तमिलनाडु में यह काम जोरों से चल रहा है। वहां पांच वर्षों में मैंने 400 से अधिक गांवों–कस्बों को गहराई से तलाशा है। आगे कर्नाटक में यही होना है। जनसंख्या का अनुपात बदल जाने पर हमेशा अल्पसंख्यक समुदायों पर अत्याचार हुए हैं, अभी हो रहे हैं। वहां न्यायपालिका के आदेशों को कार्यपालिका और प्रशासन दबा देते हैं अथवा उसकी अनदेखी करते हैं।जैनाचार्य ने कहा कि युवाओं को इन तथ्यों से वाकिफ होना होगा। कभी फ्रांस गौरवशाली ईसाई देश था। अब वहां स्थानीय लोगों का जन्मदर 1.8 प्रतिशत है, जबकि बाहर से आकर बसे मुसलमानों का जन्मदर 8.1 प्रतिशत हो गया है। यह देखते हुए मानकर चलिए कि आने वाले 20 वर्षों में फ्रांस मुस्लिम राष्ट्र बन जायेगा। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि रविवार को दूसरे तपोत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। 250 से अधिक साधक इस तपोत्सव में 16, 15, 11, 9 व आठ उपवास की तपस्या के लिये कटिबद्ध बनें हैं। आज सेनिमर के बाद समारोह में उन सभी को अभिमंत्रित श्रीफल अर्पित किये गये। गणि पद्मविमलसागर ने मंत्रोच्चार पूर्वक विधान संपन्न करवाये।

मरुधर केसरी मिश्रीमल महाराज का जीवन जलती हुई मशाल है

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां हनुमंतनगर के मरुधर केसरी दरबार में रविवार को आदर्श मैत्री की मिसाल कृष्ण–सुदामा पर आधारित मध्यान्ह में आयोजित अपने विशेष प्रवचन में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने कहा कि मैत्री मनुष्य का सर्वश्रेष्ठ गुण है। आज के युवाओं को सबसे ज्यादा किसी की जरूरत महसूस होती है तो वो है दोस्त। अच्छा और सच्चा मित्र भी इन्सान को बड़े नसीब से मिलता है। सच्चे मित्र की कुछ विशेषताए ये हैं कि वो सदैव अपने मित्र को पापों से दूर रखता है। अपने मित्र के अवगुणों को छिपाकर सबके सामने उसके गुण प्रकट करता है। आपत्ति में अपने मित्र को सहयोग प्रदान करता है, उसे संकट में सदैव उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलता है। जो मित्र अपने मित्र के दुख में दुखी और सुख में सुखी ना हो तो ऐसा मित्र को मित्र ही नहीं कहना चाहिये। आदमी के जीवन में सबसे ज्यादा उसके मित्र का पड़ता है। सच्चा मित्र भगवान के द्वारा भेजा गया एक उपहार के समान होता है।

उन्होंने कहा कि मित्रता में न तो जाति देखी जाती है, ना कुल, ना हैसियत। जो लोग हैसियत देखकर मित्रता करते हैं वो मित्रता नहीं बाल्क स्वार्थ से परिपूर्ण होते हैं और दोस्ती में कभी भी और कहीं भी स्वार्थ व कपट का स्थान नहीं होता है। कपटी और स्वार्थी मनुष्य कभी किसी का सच्चा मित्र हो ही नहीं सकता है।

भारतीय इतिहास में एक सच्ची व सर्वश्रेष्ठ मैत्री का अनुपम उदाहरण है कृष्ण सुदामा की मैत्री। जहां ना तो जाति को कोई स्थान ना पद का ना प्रतिष्ठा और ना ही वैभव को कोई स्थान था।

वहां पर था केवल प्रेम, स्नेह, समर्पण और प्रीति। ना कोई छोटे और बड़े का भाव, ना ही कोई ऊंच और नीच। साध्वीश्री ने कृष्ण और सुदामा की आदर्श मैत्री का व्याख्यान बड़े ही सुन्दर मधुर काव्यमय शैली में मारवाड़ी के अन्दर धर्मसभा को सुनाया, जिसको सुनकर सभी श्रोता मंत्रमुग्ध हो गए। इस व्याख्यान को श्रवण करने के लिए बेंगलोर के विभिन्न उपनगरों से तथा बाहर गांव से श्रद्धालुगण भारी संख्या में मरुधर केसरी दरबार प्रवचन – सभागार में उपस्थित हुए।

अध्यक्ष गौतमचंद सिंघवी ने स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संघमंत्री सुरेश कुमार धोका ने किया। कार्यक्रम में कई स्थानों से गुणमान्य श्रद्धालुगण उपस्थित थे। आरकोणम से जयचन्द कटारिया, सुरेशचन्द्र छलानी, सुरेन्द्र भन्साली, चेन्नई से जवरीलाल रांका, देवराज कोठारी, शान्तिलाल भण्डारी, आरकोणम नवयुवक मण्डल के सदस्य निर्मल, गोडवाड भवन के चेयरमैन कुमारपाल सिसोदिया आदि गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संतों की जयंती और पुण्यतिथि मनाई शूलै में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां उपाध्याय प्रवर केवल मुनि जैनोदय ट्रस्ट के तत्वावधान और बसंत मुनिजी म. सा. के सान्निध्य में मरुधर केसरी मिश्रीलाल जी म. सा. की जयंती और शेर–ए–राजस्थान प्रवर्तक रूपचंद्रजी 'रजत' की पुण्यतिथि धर्म आराधना और तप, जप और व्रत पचक्खान से अशोक नगर में मनाई गई। बसंत मुनि जी ने कहा कि स्थानकवासी जैन संप्रदाय के 22 घटकों को एकजुट करने में मिश्रीमल जी का विशेष सहयोग रहा। सादड़ी और जोधपुर में साधु अधिवेशन के सफल और सकारात्मक संयोजन में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। अनेक जैन ग्रंथों की रचनाएं आपने की। कार्यक्रम का संचालन करते हुए ट्रस्ट के महामंत्री प्रेम कुमार कोठारी ने बताया कि श्री मिश्रीमलजी महाराज द्वारा जैन समाज में अद्वितीय सेवाओं और जीवदया पर आपके सहयोग को देखते हुए केन्द्र सरकार ने डाक टिकट जारी किया था। आपने 100 से अधिक शिक्षण संस्थानों, छात्रावास, स्थानक भवन, चिकित्सालय, गौशाला और बकरा शालाओं के निर्माण में प्रेरणा दी। प्रवर्तक रूपचंद्रजी 'रजत' का जन्म नाडोल में चौहान परिवार में हुआ। आपकी जैनेश्वरी दीक्षा जोधपुर में हुई। आपका देवलोकगमन जैतारण में हुआ। दक्षिण भारत के अनेक श्रेष्ठी श्रावक श्राविकाओं को आशीर्वाद और मार्गदर्शन दिया। आपको श्रमण संघ के बेताज बादशाह की उपाधि से सम्मानित किया गया।

इस प्रसंग पर माया कोठारी ने गायन और आशा गादिया ने गीतिका प्रस्तुत की। कार्यक्रम में श्री जैन संघ ट्रस्ट के अध्यक्ष देवराज चोपड़ा, केवल मुनि जैनोदय ट्रस्ट के अध्यक्ष महावीर मरलेचा, साधुमार्गी संघ के महावीर चोपड़ा, सुधर्मा श्रावक संघ के मनोहर गादिया, रत्न हितैषी संघ के यशवंत खींचा, श्रमण संघ के राजेंद्र मरलेचा, शूले कल्याण मित्र मंडल के महेन्द्र मेहता, शूले युवा संगठन के सुमित कोठारी, संस्कार महिला मंडल अध्यक्ष ललित कोठारी के अलावा शूले, आस्टीन टाउन, अलसूर, इंद्रानगर और मैसूर से अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

इस प्रसंग पर रमेश चोपड़ा ने कहा कि श्री जैन सेवा महिला मंडल की तरफ से अशोक कोठारी की सेवा भक्ति को देखते हुए उनका सम्मान किया गया।

यशवंतपुर स्थानक में संतों को किया याद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां यशवंतपुर स्थानक भवन में विराजमान साध्वी दर्शनप्रभाजी के सान्निध्य में श्रमण संघीय प्रवर्तक गुरुदेव श्री मिश्रीमल जी म. सा. का एवं वरिष्ठ प्रवर्तक गुरुदेव श्री रूपचंदजी महाराज को उनकी जयंती और पुण्यतिथि पर याद किया या। साध्वी दर्शनप्रभाजी ने कहा कि जन्म दिवस भोगियों का, जन्म जयंती योगी महापुरुषों का एवं जन्म कल्याणक तीर्थंकर का मनाया जाता है। स्थानकवासी परम्परा के महान संत रत्न मरूधर केशरी मिश्रीमलजी महाराज का श्रमणसंघ की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने हमेशा संघ समाज में जोड़ने का कार्य किया है। उनके जीवन में जीवदया के प्रति बहुत करूणा का भाव रहा है इसलिए उनकी प्रेरणा से कई गौशाला, बकराशाला का निर्माण हुआ है। वह बहुत ही सरल स्वभाव के ज्ञानी विद्वान, वचन सिद्धी संत थे। श्रमण संघ के वरिष्ठ प्रवर्तक रूपचंदजी महाराज के लिए कहा कि वो छत्तीस क़ौम के सर्वमान्य लोकसंत थे। शेर की तरह निडरता से उनका संयमी जीवन रहा है। वह कभी भी किसी से डरते नहीं थे। हमेशा साधु साध्वी एवं अपने भक्तों का विशेष ध्यान रखते थे। श्रमण संघ को मज़बूत बनाने का काम किया है। साध्वी समृद्धिश्री ने मधुर गीत के माध्यम से दोनों गुरुओं का स्मरण किया। इस अवसर पर मुमुक्षु रिद्धि, गौतमचन्द धारीवाल, शान्तिलाल सुराणा, सुरेन्द्र आँचलिया, भंवरलाल बोहरा, रतनलाल दलाल, ने गुरू गुणगान किया। युवा शाखा के चेयरमेन पुखराज आँचलिया, अध्यक्ष राकेश संचेती, प्रांतीय युवा अध्यक्ष विकास कोठारी आदि सदस्यों ने बच्चों के लिए गुडलक योजना का शुभारंभ किया। समारोह में हस्तीमल बाफणा, अभय कुमार बांठिया, जसवंत गन्ना, जयन्तीलाल ओस्तवाल, कैलाश सहलोत, किरण बोहरा आदि कई गणमान्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। सज्जनराज, अमितकुमार, मनोज कुमार गुगलिया परिवार ने गौतम प्रसादी का लाभ लिया। संघ के अध्यक्ष सुमेरसिंह मुणोत ने सभी का स्वागत अभिनंदन किया एवं समारोह का संचालन मन्त्री रमेश बोहरा ने किया।

राजाजीनगर तेरापंथ सभा ट्रस्ट को मिला वर्ष 2023-24 का विशिष्ट सभा का सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। सूरत में आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में तेरापंथी महासभा द्वारा आयोजित सभा प्रतिनिधि सम्मेलन में तेरापंथ सभा राजाजीनगर मंत्रिमंडल के सदस्यों ने सहभागिता दर्ज की। परिसर में विराजित आचार्य श्री महाश्रमणजी, साध्वी प्रमुखा विश्रुतविभा, मुख्य मुनि महावीर मुनि, साध्वी वर्या संबुधयशा, पर्यवेक्षक मुनि विश्रुत मुनि के दर्शन कर सेवा, उपासना का लाभ लिया। राजाजीनगर सभा द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों की आचार्यश्री को जानकारी प्रदान की एवं चातुर्मास के लिए निवेदन किया। राजाजीनगर सभा के द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यो के लिए प्रतिनिधि सम्मेलन में राजाजीनगर तेरापंथ सभा को वर्ष 2023–24 के लिएविशिष्ट सभा के रूप में सम्मानित किया गया। महासभा के प्रतिनिधि सम्मेलन में अध्यक्ष अशोक चौधरी, उपाध्यक्ष मदन बोराणा एवं विमल पितलिया, मंत्री चंद्रेश मांडोत, संगठन मंत्री गौतम टेबा, निवर्तमान अध्यक्ष रोशनलाल कोठारी, कोषाध्यक्ष हंसराज चौधरी, परामर्शक ललित मांडोत, महासभा प्रभारी प्रकाश लोढ़ा, राजाजीनगर सभा प्रभारी संजय बांठिया उपस्थित रहे।

अग्रवाल युवा संघ का हुआ शपथग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अग्रवाल समाज की शाखा अग्रवाल युवा संघ का रविवार को नलपाड बैंगलोर इंटरनेशनल होटल के सभागार में समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल व सचिव सतीश गोयल की उपस्थिति में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन हुआ। सर्व प्रथम महाराजा अग्रसेन के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल ने युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया व पूरी टीम को बधाई देते हुए अच्छे कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी। अध्यक्ष रोहित केडिया ने समाज के अध्यक्ष सुभाष बंसल व सचिव सतीश गोयल को माला व मैसूर साफा पहनाकर सम्मान किया। समाज के अनेक गणमान्य लोगों ने अपने बधाई संदेश देकर अच्छे कार्यकाल के लिए साथ कें रहकर समाज को उन्नति प्रदान करने व अच्छा काम करने का आश्वासन दिया। युवा संघ की टीम को अग्रवाल समाज के कोषाध्यक्ष अंकित मोदी युवा संघ के अध्यक्ष रोहित केडिया व सचिव अंकित गोयल के साथ पूरी टीम को शपथ दिलाकर वर्ष 2024–2026 के लिए जिम्मदारी सौंपी। इस अवसर पर समाज के पूर्व अध्यक्ष रतनलाल सिंघल, संजय जालान, मदनलाल अग्रवाल, गौरीशंकर गुप्ता, रवि सिंघानिया, सुरेश कुमार मोदी, संजय जाजोदिया, ओमप्रकाश पोद्दार, ऋषि गुप्ता सहित फाउंडेशन इंडिया के सचिव संजय गुप्ता, वैश्य फेडरेशन के अध्यक्ष बिपिनराम अग्रवाल सहित मारवाड़ी युवा मंच के भी कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

'केएमएस' ने निशुल्क मेगा कृत्रिम अंग दान एवं मापन शिविर का आयोजन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक मारवाड़ी समाज ने भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (जयपुर फुट) के सहयोग से जयनगर के रानी सरलादेवी कॉलेज में 'मुफ्त मेगा कृत्रिम अंग दान और माप शिविर' का आयोजन किया। इस मापन शिविर में 150 से अधिक रोगियों की जांच की गई और उन्हें लाभ मिला। जयपुर फुट, कैलीपर्स (पोलियो प्रभावित रोगियों के लिए) और विकलांगों के लिए बैसाखी के माप के अनुसार, केएमएस इसे तैयार रखेगा और 22 सितंबर को उसी स्थान पर रोगियों को वितरित करेगा।

शिविर के बारे में बोलते हुए कर्नाटक मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष विकास बालोदिया ने कहा, इस शिविर में विकलांग व्यक्तियों को उच्च गुणवत्ता वाले कृत्रिम अंग और अन्य उपकरण मिल रहे हैं, जिन्हें वे पहले नहीं खरीद सकते थे।

ये शिविर सामुदायिक समर्थन का निर्माण करते हैं, जागरूकता बढ़ाते हैं और लोगों को गतिशीलता हासिल करने, जीवन और सामाजिक जुड़ाव में सुधार करने में मदद करते हैं। यह पहल जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने, व्यक्तियों को सशक्त बनाने और स्थायी प्रभाव डालने के लिए निःशुल्क चिकित्सा जांच, फिटिंग और निरंतर देखभाल प्रदान करती है। कर्नाटक और पड़ोसी राज्यों के लोग इस अवसर का लाभ उठाने के लिए स्वागत करते हैं।

कर्नाटक मारवाड़ी समाज के परियोजना निदेशक बिमल कुमार सरावगी ने कहा, हममें से प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न तरीकों से प्रभावित हुआ है, और यह ज़रूरी है कि हम अपनी क्षमताओं के अनुसार दूसरों की सहायता करने में योगदान दें। उच्च गुणवत्ता वाले, टिकाऊ कृत्रिम अंगों और अन्य सहायक उपकरणों के प्रावधान के माध्यम से, हमारा लक्ष्य उनके जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार करना है।

'एक शाम श्री टॉडगढ़ भैरुजी के नाम' की तैयारियों पर चर्चा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां मेवाड़ मित्र मंडल की ओर से आगामी 25 अगस्त को शहर में 'एक शाम श्री टॉडगढ़ भैरुजी के नाम' विराट भक्ति संध्या का आयोजन किया जा रहा है। जिसकी तैयारियों को लेकर एक बैठक बुलाई गई। मंगलाचरण भीकम भटेवरा ने किया। सभी का स्वागत गौतम मांडोत ने किया। उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा बताई। कैलाश दलाल ने सभी कार्यकारिणी सदस्यां को एक जुट होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की बात कही। प्रवीण दक एवं सुनील बाबेल के अपने विचार व्यक्त किए। संयोजक रोहित मेहता, दीपक गिलुन्दिया, महावीर गन्ना, हेमन्त मेहता, गौतम दलाल आदि उपस्थित थे।

तप से पापों का हनन होता है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां सेपिंग्स रोड स्थित हीराबाग जैन स्थानक में विराजित आयम्बिल आराधिका आगमश्रीजी म. सा. ने बताया कि राखी एक स्नेह की बारहखड़ी है। बच्चों को बचपन से ही मधुरता की, स्नेह की बारहखड़ी सिखाई जाती है। अच्छे संस्कार दिए जाते है। भाई बहन के स्नेह का प्रतीक पवित्र रिश्ता है। 27 साल की छोटी सी उम्र में आज तपस्वी प्रीतिजी सिद्धार्थ सकलेचा के 30 उपवास की पूर्णाहुति हुई। तप से पापों का हनन होता है। आत्मा का अध्ययन तप से होता है। तप ही हमारा उपवन है। ऐसे तपस्वी को हम सब नमन करते है।

साध्वी धैर्याश्रीजी ने अपने गीतों के माध्यम से रक्षा बंधन पर बहुत सुंदर प्रस्तुति दी। संचालन मंत्री अशोक बांठिया ने किया। डॉ भीकमचंद सखलेचा, नंदकिशोर समदड़िया, धनराज रायसोनी, जयचंद लुणावत ने तपस्वी का सत्कार प्रशस्ति पत्र प्रदान कर किया। रक्षा बंधन पर चांदी की राखियों का लक्की ड्रा निकला गया।

धार्मिक कार्यो के लिए नया बैंड मंडल

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। यहां श्री जिनकुशलसूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में अखिल भारतीय खरतरगच्छ युवा परिषद बेंगलूरु शाखा के द्वारा मुनिश्री मलयप्रभ सागरजी म.सा एवं श्री प्रिय स्वर्णजनाश्री जी म.सा के मंगल आशीर्वाद से बैंड का शुभारंभ मासक्षमण के तपस्वी दीपक छाजेड़ के निवास स्थल से किया गया। बैंड संयोजक अरविंद चोपड़ा ने सभी को बधाई देते हुए बताया यह बैंड धार्मिक कार्यक्रम में अपनी सेवाएं देगा। उपसंयोजक विनोद बाफना एवं गौरव संखलेचा ने सहयोग देने वाले सभी साथियों का धन्यवाद सहित आभार प्रकट करते हुए बताया अभी इस बैंड में 25 बच्चे अपनी स्वेच्छा से सेवा देंगे। युवा परिषद के अध्यक्ष पंकज बाफना एवं मंत्री विकाश खटोड़ ने बैंड मंडल में सेवा देने वाले सभी साथियों का तहे दिल से धन्यवाद दिया गया।यह जानकारी कैलाश संखलेचा द्वारा दी गयी।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com